स्थापित 1968

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा का मुख पत्र

₹5

श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका

सामाजिक चेतना एवं जागरुकता के लिये सजग मासिक पत्रिका

(पल्लीवाल, जैसवाल, सैलवाल सम्बन्धित जैन समाज)

अंक 10 ✦ प्रकाशन तिथि : 25 अप्रेल 2021 ✦ वर्ष 9 ✦ कुल पृष्ठ 44 ✦ मूल्य ₹5

महावीर जयंती की मंगल कामना

स्व. श्री स्वरूप चन्द जी जैन (मारसन्स)

(19 अगस्त 1927 – 31 अगस्त 2016)

जैन समाज के लिये आपका योगदान एवं समाज को एक सूत्र में बांधे रखने का अन्तिम सन्देश सदैव स्मरणीय रहेगा।

आपका प्रेरणामय जीवन हमारे लिए सदैव पथ प्रदर्शक रहेगा।

MARSON'S

ISO 9001:2000 CERTIFIED COMPANY

समस्त परिवारीजन
स्टाफ एवं कर्मचारीगण

MARSON'S ELECTRICAL INDUSTRIES

(Prop. MEI Power Pvt. Ltd.)

www.marsonselectricals.com • E-mail : info@marsonselectricals.com

1/189, Delhi Gate, Civil Lines, Agra-282002 (India)

Ph : +91-562-2520027, 2850812 • Fax : +91-562-2851306

Works :

Mathura Road, Artoni, Agra - 282007 (India)

Ph : +91-2641448, 2642327-28 • Fax : +91-562-2641435

TRANSFORMERS EXPORTED TO OVER 15 COUNTRIES

सामाजिक चेतना एवं जागरुकता के लिये सजग

श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा का मुख पत्र

(पल्लीवाल, जैसवाल, सैलवाल सम्बन्धित जैन समाज)

Email : shripalliwaljain.patrika@gmail.com

अंक 10 ✦ 25 अप्रेल 2021 ✦ वर्ष 9

मूल्य ₹ 5/-

कुल पृष्ठ : 44

पूर्व प्रकाशन मथुरा से, सम्प्रति जयपुर से प्रकाशित

महासभा पदाधिकारी

श्री आर.सी. जैन *(अध्यक्ष)*
(सेवानिवृत्त आई.ए.एस.)
एन-19, आदिनाथ नगर, जे.एल.एन. मार्ग,
जयपुर (राज.)-302018
मोबा. : 9414279070, 9829999335
E-mail : rcjainras@gmail.com

श्री राजीव रतन जैन *(महामंत्री)*
301-ए, सुख सागर अपार्टमेन्ट, 4, जानकी नगर मेन,
इन्दौर (म.प्र.)-452001, मोबा.: 9425110204
E-mail : jainrajeevratan@gmail.com

श्री अजीत जैन *(अर्थमंत्री)*
1द39, काला कुंआ हा.बोर्ड, अलवर (राज.)-301002
फोन : 0144-2360115, मोबा.: 9413272178
E-mail : akjain2021@yahoo.in

पत्रिका प्रबन्ध एवं सम्पादक मण्डल

डॉ. अनुपम जैन *(परामर्शदाता)*
'ज्ञानछाया', डी-14, सुदामानगर, इन्दौर-452009
फोन : 0731-2797790, मोबा.: 9425053822
E-mail : anupamjain3@rediffmail.com

श्री चन्द्रशेखर जैन *(संयोजक)*
86, मगन विला, श्री विहार कॉलोनी, होटल क्लार्क
आमेर के पीछे, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर-302018
फोन : 0141-2553272, मोबा.: 9829134926
E-mail : csjain30@yahoo.co.in

श्री प्रकाश चन्द जैन *(सम्पादक)*
78, बैंक कॉलोनी, महेश नगर विस्तार ''बी''
गोपालपुरा बाईपास, जयपुर-302015
मोबा.: 9828374013
E-mail : pcjain49@gmail.com

श्री पारस जैन गहनौली *(सह-सम्पादक)*
बी-204बी, 10-बी स्कीम, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर-302018, मोबा.: 9928715869

श्री महेश चन्द जैन *(अर्थ संयोजक)*
36-सी, कृष्णा विहार विस्तार, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर-302015, मोबा.: 9828288830
E-mail : 3466mahesh@gmail.com

संयोजक की कलम से....

कारोना वायरस लहर-2

समाज के सभी बन्धुओं को श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका टीम का सादर जय जिनेन्द्र।

पुन: कोरोना जैसी भयंकर संक्रामक रोग ने लोगों को अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया है और गत वर्ष की तरह यह वायरस दिन-प्रतिदिन अपने प्रभाव में सामान्य जनजीवन को लपेटने लगा है। इस बार के वायरस की विशेषता है कि यह सभी वर्ग के लोगों को चपेट में ले रहा है और शुरूआती दौर में यह युवाओं को भी हो रहा है। अत: आप सावधानी बरतें एवं विभिन्न सरकारी गाइडलाईनों का पालन करें, स्वयं अपने परिवार सहित समाज को भी सुरक्षित रखें।

इस दौर की विशेष बात है कि वायरस पर नियन्त्रण हेतु वैक्सीन लगाने का कार्यक्रम सरकार द्वारा मास स्तर पर किया जा रहा है। आप सभी समाजिक बन्धुओं जितनी जल्दी हो सके स्वयं के साथ परिवार को वैक्सीन लगवाने में प्राथमिकता रखें। 1 मई से 18 वर्ष से ऊपर सभी युवाओं को भी वैक्सीन लगाने की तैयारी है। अत: उन्हें भी प्राथमिकता से यह कार्य करा कर स्वयं को सुरक्षित रखना चाहिए।

बंधुओं इस कोरोना काल के दौर के साथ-साथ जो स्थितियां उत्पन्न होंगी उससे निपटने के लिए हमें अभी से एकजुट होकर आने वाली समस्याओं से निदान की तैयारी करनी होगी। ऐसे समय में समाज के पीड़ित वर्ग को सहयोग प्रदान कर उसे अपने साथ खड़ा रखना हमारा नैतिक दायित्व है। इस काल में सबसे ज्यादा मार प्राइवेट कंपनियों एवं व्यवसायी लोगों पर पड़ती है और उनकी आय सीमित होकर खर्चे वहीं के वहीं खड़े रहते हैं। अत: हम सभी कुछ ऐसा प्रयास करें कि समाज के पीड़ित पक्ष को सीधे रूप में लाभ हो वो चाहे हम रोजगार देने या दिलाने का प्रयास हो या समाज के व्यवसाईयों से अपनी आवश्यकता की सामग्री का क्रय कर उन्हें प्रोत्साहित कर उन्हें वापस मुख्य धारा में लाने का प्रयास कर सकते हैं। जो व्यक्ति किस तरह का सहयोग कर सकता है वह बताये और किन व्यक्तियों को सहयोग चाहिए वे अपनी जानकारी प्रदान करें।

कृपया इस बात पर गहन विचार कर शीघ्र आगे बढ़ने की देर है। तो आईये हम सभी सामाजिक बंधु एक दूसरे से हाथ मिलाए आगे बढ़े।

जय जिनेन्द्र

-चन्द्रशेखर जैन

पत्रिका में प्रकाशित लेख एवं विचारों से सम्पादक मण्डल का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
यह लेखकों के निजी विचार माने जाने चाहिये।

भावभीनी श्रद्धांजलि

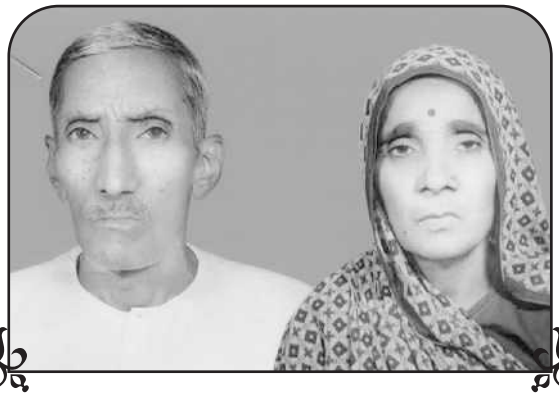

पूजनीय पिताजी स्व. श्री प्यारेलाल जी जैन चौधरी
श्रद्धेय माताजी स्व. श्रीमती असरफी देवी जी जैन
(मूल निवासी - मौजपुर, अलवर)

स्व. श्रीमती इन्दु जी जैन
(धर्मपत्नी श्री पदम चन्द जैन)
(स्वर्गवास : 30.12.2018)

हम सभी परिवार के सदस्य सादर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुये भगवान वीर से उनकी चिर आत्मीय शांति की प्रार्थना करते हैं।

श्रद्धावनत

पुत्र :
पदम चन्द जैन
पौत्र-पौत्रवधु :
पारस जैन-रश्मि जैन,
पौत्री-दामाद :
डिम्पल-राजेश जैन
सिम्पल-नितिन जैन
प्रिती-उत्तम कोठारी
पड़पोत्री-पौत्र :
चेल्सी जैन-अक्षत जैन

पुत्र :
अनूप चन्द जैन
पौत्र-पौत्रवधु :
हेमन्त जैन-मधु जैन
पौत्री-दामाद :
सुनिता-सुनिल
अनिता-परवेश
विनिता-प्रताप
पड़पौत्र :
रोबीन-मानस

निवासः- बी-52, कीर्ति नगर, टोंक रोड, जयपुर
फोन : 0141-2706317, 9829066317, 9414055855

शारीरिक अनुशासन के सूत्र

एक साधक ने कहा– मैंने सुना है, शरीर अनित्य है, अशुचि है और अशुचि से उत्पन्न है। एक बार नहीं, अनेक बार मैंने सुना है। यहां मैं साधना के लिए आया। मुझे कहा गया–शरीर को देखो। बार–बार कहा गया, शरीर को देखो। मैं असमंजस में पड़ गया। जो अशुचि है, अनित्य है, नश्वर है, विजातीय है, गन्दा है, हाड़– मांस का पुतला है, उसको देखने का अर्थ ही क्या हो सकता है? साधना करनी है। किसी बड़ी चीज को देखना है। आत्मा–परमात्मा को देखना है शरीर को देखने का प्रयोजन ही क्या हो सकता है? कोई प्रयोजन नहीं है। दूसरी बात है, यह शरीर मिला है सुख सुविधा का उपभोग करने के लिए। आराम से रहें, ठंडी हवा में रहें, ठंडा पीएं, गरम खाएं, सारी सुविधाओं को भोगें– यह है शरीर का प्रयोजन। शरीर भोग का साधन है। यह भोग करने के लिए मिला है। हम बेचारे को क्यों सताएं? ध्यान में एक आसन पर बैठना होता है। सारा शरीर दुखने लग जाता है। पैर दर्द करने लग जाते हैं। शरीर पसीना–पसीना हो जाता है। यह शरीर को सताना है, कष्ट देना है।

प्रश्न बहुत हो सकते हैं, किन्तु यदि हम इन प्रश्नों में उलझते चले जाएं तो प्रश्न भी अनन्त होता चलेगा और उत्तर भी अनन्त होता चलेगा। समाधान कभी नहीं होगा। उलझना नहीं है। हम इस बात को स्वीकार कर लें कि शरीर अशुचि है, अपवित्र है, नश्वर है, अनित्य है और यह भी मान लें कि आदमी उसे सताता है। स्थूल बुद्धि से कही हुई बात स्थूल बुद्धि से स्वीकार कर लेनी चाहिए। कहने वाला जब अपनी स्थूल बुद्धि से कहता है, तो उत्तरदाता को भी स्थूल बुद्धि का प्रयोग करना चाहिए, जिससे कि कहने वाला भड़के नहीं।

मैंने प्रश्नकर्ता के दोनों तर्क स्वीकार कर लिए। मैंने कहा– शरीर अशुचि है, यह तुमने सुना और सुनाने वाले ने सुनाया। दोनों सही हैं। सुनने वाला भी गलत नहीं है और सुनाने वाला भी गलत नहीं है। हम मानते हैं, हर आदमी जन्म लेता है और मर जाता है। वह अनित्य है। हम जानते हैं, शरीर में से अशुचि पदार्थ निकलते हैं। यदि शरीर को साफ न किया जाए तो कोई पास में आकर बैठना भी नहीं चाहेगा क्योंकि भयंकर दुर्गंध उसमें से निकलने लग जाएगी। पसीने से बदबू आती है। मल–मूत्र से बदबू आती है। बहुत ही अपवित्र है शरीर। यह तो प्रकृति की अच्छी देन है कि हमारी देखने, सुनने और सुनने की शक्ति सीमित है, सीमा में आबद्ध है। एक निश्चित आवृति पर ही हमारी ज्ञानेन्द्रियाँ काम करती हैं। यदि इंद्रियां सीमा से परे का काम करने लग जाएं, तो आदमी अपने स्वयं में शरीर के पास भी नहीं रह सकेगा। यह इन्द्रियों के विषयों से इतना तनावग्रस्त हो जाएगा कुछ ही क्षणों में वह पागल बन जाएगा। प्रकृति की कोई ऐसी व्यवस्था है कि मनुष्य का ज्ञान तो बहुत विशाल है, परन्तु इन्द्रियां इस ज्ञान में से थोड़े से ज्ञान को स्वीकार करती है यदि कान सारे शब्द को सुनने लग जाएं तो आदमी एक ही दिन में पागल हो जाएगा। यदि आंखें सारी वस्तुओं को देखने लग जाएं तो आदमी सो नहीं पाएगा, पागल बन जाएग।। यदि घ्राण सब कुछ सूंघने लग जाए तो एक क्षण के लिए भी आदमी प्रसन्न नहीं रह सकेगा उसका जी मिचलाता ही रहेगा, वमन होता रहेगा। गंध आती रहेगी। प्रत्येक इन्द्रिय की व्यवस्था कर ली कि वह निश्चित आवृत्ति या फ्रीक्वेन्सी पर ही अपना कार्य करेगी। यह बहुत अच्छी बात हो गई। अन्यथा आदमी के लिए जीना दूभर हो जाता। वह तब कुछ भी नहीं सुन पाता, कुछ भी नहीं देख पाता और कुछ भी नहीं सूंघ पाता। वह इन विषयों से निरन्तर आक्रांत रहता और पागल बन जाता। हमारे स्वयं के शरीर से इतनी बदबू निकलती है कि यदि नाक उसको ग्रहण करने लग जाए तो आदमी सहन ही नहीं कर पाएगा। पर यह नाक की अपनी सीमा है कि वह सारी गंध में अमुक–अमुक गंध ही स्वीकार कर पाता है, इसलिए आदमी जी रहा है।

एक बार वैज्ञानिक ने साउंड–प्रूफ मकान बनाया। उसमें बाहर की आवाज भीतर प्रवेश नहीं करती और अन्दर की आवाज बाहर नहीं जाती। कुछ वैज्ञानिक प्रयोग के लिए उस मकान के भीतर बैठे। मशीन की सी आवाजें आने लगीं। उन्हें आश्चर्य हुआ कि ये आवाजें कहां से आ रही हैं? शब्द निरोधक मकान में बाहर से आवाजें कैसे आ सकती हैं? सोचने पर ज्ञात हुआ कि बाहर से कुछ भी नहीं आ रहा है, शरीर के भीतर जो एक विशाल फैक्ट्री चल रही है, सारी उसकी आवाजें हैं रक्त चल रहा है धमनियां कार्यरत हैं, सारा नाड़ीतंत्र सक्रिय है–ये सब आवाजें उनकी हैं।

जब बाहर की आवाज होती हैं तब भीतर की आवाजें नहीं सुनाई देतीं। जब बाहर की खटखटाहट बन्द होती है तब

पता चलता है कि भीतर में कितनी आवाजें हो रही हैं। जब व्यक्ति ध्यान की गहराई में आता है, शरीर–प्रेक्षा में एकाग्र होता है तब उसे ज्ञात होता है कि शरीर में कहां– कैसे स्पन्दन हो रहे हैं। पहले पता ही नहीं चलता। हमारे शरीर की ऐसी व्यवस्था है, तभी आदमी जीवन जी पाता है।

मैं इस बात से इनकार नहीं करता कि शरीर अपवित्र है, अशुचि है और इस बात को भी स्वीकार करता हूं कि ध्यान की विविध प्रक्रियाओं में शरीर को कष्ट होता है। सात बजे उठने वाले लोग चार बजे उठते हैं, यह शरीर को कष्ट ही है। एक भाई ने कहा– मैं इसे कष्ट नहीं मानता। जागना कष्ट नहीं है, आनन्द है। मैं सात बजे उठता था। अब चार बजे उठता हूं तीन घंटा अधिक जागता हूं। जागने का लाभ प्रत्यक्ष है।

शिविर में प्रतिदिन चार बार एक–एक घंटा का ध्यान कराया जाता है। यह बहुत अधिक है। शरीर इतना अभ्यस्त नहीं है कि इसको सहन कर सके। प्रारम्भ में कम होना चाहिए।

मैंने कहा– न हो तो और अच्छा है। जरूरत ही क्या है? इससे अच्छा है नहीं होना हम उतना ही करवाते हैं, जितना आवश्यक लगता है। यदि इतना न हो तो यथेष्ट परिणाम नहीं आ सकते। इतना नहीं किया जाता तो फिर न करना ही अच्छा है।

उसने कहा– आसन किए जाते हैं। शरीर दुखने लगता है। कमर में दर्द हो जाता है। पैर दुखने लगते हैं। मांसपेशियों में दर्द उभर आता है। तो क्या आसन करना शरीर को सताना नहीं है? मैं बोला– आसन में दर्द नहीं होता। आसन में विकृति के साथ छेड़छाड़ होती है। स्नायुओं को वैसा अभ्यास नहीं है। अभ्यास करने का अर्थ है, उनसे छेड़छाड़ करना। छेड़छाड़ प्रतिक्रिया पैदा करता है। कोई छेड़छाड़ करे, और सामने वाला प्रतिक्रिया न करे तो फिर शरीर वीतराग हो जाएगा तुम छेड़छाड़ करो और शरीर प्रतिक्रिया न करे, यह कैसे संभव हो सकता है? रोग है। दवा मत लें। कोई प्रतिक्रिया नहीं होगी। रोग पड़ा रहेगा। जैसे ही रोग के साथ छेड़छाड़ की, वहां रिएक्सन होगा। प्रतिक्रिया होगी। भयंकर प्रतिक्रियाएं होती हैं। इसे शरीर को सताना माना जाता है। स्थूल दृष्टि से यह सही लगता है। आदमी हमेशा स्थूल को ही पकड़ता है। गहराई तक वह नहीं जाता।

मालिक ने भुंझलाकर अपने नौकर से कहा– तुम बड़े गधे हो। नौकर ने हाथ जोड़कर कहा– मालिक ! बड़े तो आप हैं, मैं तो छोटा हूं।

नौकर बात को पकड़ नहीं सका। स्थूल बुद्धि वाला स्थूल बात को पकड़ सकता है। वह गहराई तक नहीं जा सकता। वह यह समझ ही नहीं पाता है कि क्या कहा जा रहा है और मैं क्या कह रहा हूं। हमेशा यही स्थिति बनती है।

मैंने आगे कहा– मित्र! गहराई में पैठने का प्रयास करो। तुम कहते हो, शरीर सताया जा रहा है। इस भाषा को बदल दो। अर्थ को समझो, भाषा बदल जाएगी। शरीर सताया नहीं जा रहा है, साधा जा रहा है। शरीर को सताना एक बात है और शरीर को साधना दूसरी बात है। यह सताना नहीं है, शुद्धिकरण है यह कायशुद्धि है, शरीर की शुद्धि है। जब तक शरीर की शुद्धि नहीं होगी, शरीर में जमे हुए मलों को दूर नहीं किया जाएगा तब तक प्रकाश नहीं होगा। यदि प्रकाश करना है तो मलों को साफ करना होगा। यदि आलोक करना है तो धुंधलापन मिटाना होगा। कांच जब धुंधला हो जाता है तब वह प्रतिबिम्ब को पकड़ नहीं सकता। कांच प्रतिबिम्ब को प्रकट करता है। पर यदि मैला है, तो प्रतिबिम्ब प्रकट नहीं होगा। क्या अन्धे कांच से लालटेन का प्रकाश बाहर आ पाएगा? कभी नहीं। कांच को साफ करना ही होगा। सफाई करने में कष्ट होता होगा पर सफाई का उद्देश्य कष्ट देना नहीं होता। कष्ट देना और कष्ट होना, दो भिन्न–भिन्न बातें हैं। ये दोनों एक नहीं हैं।

काया को साधने में कष्ट हो सकता है, पर हमारा उद्देश्य शरीर को कष्ट देना नहीं है। कष्ट देने का उद्देश्य हो ही कैसे सकता है? साधना का और धर्म का एकमात्र उद्देश्य है– दुःख–मुक्ति, सभी दुःखों से छुटकारा पाना। तो क्या जो दुःख से छुटकारा दिलाता है, वह दुःख देने वाला हो सकता है? दुःख से दुःख ही मिलता है। दुःख से सुख नहीं मिलता। जिसका लक्ष्य है दुःख पाना और जो दुःख पाने के उद्देश्य से अपने आपको दुःखी बनाता है, वह सदा दुःखी ही बना रहेगा। भगवान् महावीर ने कहा– दुःखी दुःख को प्राप्त होता है। सुखी कभी दुःख को प्राप्त नहीं होता। हम इस तथ्य को और गहरे उतरकर समझे। काया को साधने के लिए उसे तपाना पड़ता है। खदान से सोना निकलता है। पर सोने की ईंट उससे सीधी प्राप्त नहीं होती। कितनी तेज आंच में से उसे सोने के पत्थर को गुजरना होता है कि जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। यह इतनी तेज आंच सहता है, इसीलिए मिट्टी में से चमकता हुआ पीला सोना बाहर निकल आता है। यदि सोना कहे– मुझे सताओ मत। मुझे जलाओ मत। क्या वह कभी सोना बन पाएगा? वह मिट्टी ही बना रहेगा। यदि सोने को सोना बनना है, सोने के रूप में, चमकते पीले रूप में

उसे प्रकट होता है तो तेज आंच से गुजरना ही होगा। सोने को तेज आंच से गुजरने का अर्थ उसको सताना नहीं है। सारा प्रयत्न उसको चमकाने के लिए होता है। उद्देश्य भिन्न है। एक उद्देश्य होता है चमकाने का और एक उद्देश्य होता है, सताने का। गुरु अपने शिष्य को प्रताड़ना देता है, उसे मिटाने के लिए नहीं, किन्तु उसे चमकाने के लिए। मिटाने का उद्देश्य होता है वहां सताना होता है और जहां चमकाने का उद्देश्य होता वहां सिद्ध करना होता है।

आसन इसलिए किए जाते हैं कि शरीर में जमे हुए मैल निकल जाएं, शरीर सिद्ध हो जाए, शरीर साध लिया जाए।

कुछेक लोग कहते हैं कि श्वास फेफड़ों में पूरा पहुंचता ही नहीं। कैसे पहुंचे ? बीच में कितने अवरोध पैदा कर रखे हैं ? इतने मल और दोष जमा हैं कि श्वास को आगे जाने का अवकाश ही नहीं मिल पाता। यदि किसी वैद्य को चिकित्सा करनी पड़े तो कई दिनों तक विरेचन देना पड़े, तब पेट की सफाई हो सकती है, जमे हुए मैल निकल जाते हैं। फेफड़े, पेट, नाड़ी संस्थान साफ भी हो जाएं, अवरोध मिट जाएं तो भी साधक की दृष्टि से इतना पर्याप्त नहीं है। साधक को और अधिक सफाई करनी होगी चिकित्सा की दृष्टि से मल साफ हो गया, शरीर स्वस्थ हो गया, किन्तु एक साधक उससे आगे की बात सोचता है वह शरीरावरोधक मल को ही साफ नहीं करता, चेतना के क्षेत्र में अवरोध उत्पन्न करने वाले मलों को भी साफ करता है। उन मलों की सफाई के लिए भारी मात्रा में विरेचन अपेक्षित होता है। इस विरेचन में और शारीरिक शुद्धि के लिए प्रयुक्त विरेचन में अन्तर होता है। यह विरेचन है– आसन, प्राणायाम, व्यायाम आदि।

कायशुद्धि के पांच उपाय हैं– कायोत्सर्ग, आसन, बंध, व्यायाम और प्राणायाम। ये पांचों शरीर की प्रवृत्ति से जमने वाले मालों को साफ करते हैं। किन्तु शरीर में कोरा शरीर प्रवृत्त का ही मल नहीं जमता। उसमें मल जमता है– भावना, आसक्ति और अन्तःकरण के द्वारा। संस्कारों का मल भी जमता है। आज परीक्षण किए जा चुके हैं कि विचारों के विष हमारे नाखूनों और शरीर के विभिन्न अवयवों में जमा होते हैं। वे अन्यान्य विरेचन या कारयोत्सर्गादि उपायों से साफ नहीं किये जा सकते। कोई भी डाक्टर या वैद्य भी इनकी धुलाई नहीं कर सकता। इनकी धुलाई होती है निस्संगता के द्वारा, अनासक्ति के द्वारा और विचारों के स्नेही करण के द्वारा। कायशुद्धि का यह छठा उपाय है।

जहां शरीर में इतनी गन्दगी भरी पड़ी है, वहां उसको शुद्ध किये बिना, शरीर को साधे बिना, क्या हमारा लक्ष्य पूरा हो सकेगा ? क्या हम चैतन्य विकास की दिशा में आगे बढ़ सकेंगे ? कभी संभव नहीं है।

स्वास्थ्य का एक महत्त्वपूर्ण उपाय है–रीढ़ का लचीला होना। जिसकी पृष्ठरज्जु लचीली नहीं होती वह न शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होता है और न मानसिक दृष्टि से स्वस्थ होता है। आज के व्यक्तियों की रीढ़ लचीली नहीं है और हो भी कैसे सकती है ? बेचारी को भोजन भी नहीं मिलता। यदि पेट को पूरा भोजन नहीं मिलता है तो पेट लड़ाकू है, वह अपना सामान जुटा लेता है। जो चुप रहता है। वह उपेक्षित होता है। संभव है इसलिए लड़ाकूवृत्ति का विकास हुआ। बिना लड़े काम नहीं चलेगा। लड़ो, लड़ो और लड़ते रहो। कुछ लोगों का यह विचार भी है कि दुनिया का नियम है–संघर्ष, लड़ाई। इसीलिए सामाजिक चेतना के क्षेत्र में काम करने वाले लोगों ने कहा–संघर्ष हमारे जीवन का नियम है। अनेक समाज शास्त्रियों ने, विकासवादियों ने और द्रुतसंचारवादियों ने भी इसी का समर्थन किया। सचमुच उन्होंने सचाई का उद्घाटन किया। दुनिया की प्रकृति है कि बिना लड़े काम नहीं चलता। इसीलिए यह कहावत भी प्रचलित हो गई– 'बिना रोये मां भी स्तनपान नहीं कराती।' जब बच्चा रोता है, तभी मां उस ओर ध्यान देती है। बच्चा शांत सोया रहे तो मां का ध्यान उस ओर जाता ही नहीं।

लड़ने की बात अनिवार्य हो गई। पेट लड़ाकू है। पाचन संस्थान लड़ाकू है, आंतें लड़ाकू हैं। एक ही उपवास में दिन के तारे दिखने लग जाते हैं। बड़ी कठिनाइयां पैदा हो जाती हैं। किन्तु हृदय, गुर्दे, मस्तिष्क, रीढ़ की हड्डी–ये आक्रामक नहीं हैं, लड़ाकू नहीं हैं। इन पर हम ध्यान ही नहीं देते। इसीलिए अनेक मल जमा होते चले जाते हैं। हमारे शरीर में रीढ़ की हड्डी का बहुत महत्त्व है। सारे स्नायु इसमें से गुजरते हैं, चाहे वे स्नायु ऊपर से नीचे या नीचे से ऊपर जाते हों, ये सब इसमें से गुजरते हैं। यह एक ऐसा मार्ग है जो सबको नियंत्रित करता है। जो व्यक्ति रीढ़ की हड्डी को नहीं साध लेता वह साधना के क्षेत्र में बहुत सफल नहीं हो सकता। जिसकी रीढ़ की हड्डी लचीली नहीं है वह मानसिक दृष्टि से अधिक विकसित नहीं हो सकता और शारीरिक दृष्टि से भी वह स्वस्थ नहीं हो सकता। अकड़न होना, दर्द होना आदि सब इसी के परिणाम हैं। इसीलिए एक कुशल डाक्टर सबसे पहले इस बात को देखता है कि रीढ़ की हड्डी कैसी है ?

आज एक चिकित्सा–पद्धति प्रचलित है, इसका नाम है 'ऑस्टिओपेथी' उसमें रीढ़ की हड्डी के आधार पर पूरे शरीर की चिकित्सा की जाती है। देखा जाता है कि रीढ़ की हड्डी में

कहां खराबी है? क्या आदमी ने कभी रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाने का प्रयास किया है? क्या कभी वह उसे पोषण देता है? कभी नहीं। इस ओर उसका ध्यान ही नहीं जाता।

रीढ़ की हड्डी को लचीला करने का उपाय है– आसन। आसन के द्वारा उसको रक्त मिलता है। आसन के द्वारा उसको मालिश मिलती है। ये दोनों उसे लचीली बनाते हैं। हलासन, अर्द्धमत्स्येन्द्रासन आदि आसनों के द्वारा रीढ़ की हड्डी को पूरा रक्त मिल जाता है और उसकी अच्छी मालिश हो जाती है वह लचीली होती है। उसकी शक्ति बढ़ती है। रीढ़ की हड्डी लचीली होती है तो मन भी लचीला होता है और शरीर लचीला होता है। किन्तु आदमी इन उपायों को काम में नहीं लेता। दवाई में जितना विश्वास है, उतना विश्वास इन आसनों में नहीं है। यही कारण है कि वह सदा बीमार ही बना रहता है।

यह प्रज्ञा–प्रदीप ध्यान–साधना का केन्द्र है। दूसरे शब्दों में कहूं तो यह आदमी के विभिन्न दर्दों के प्रकट होने का केन्द्र है। आदमी विभिन्न प्रकार के दोषों का भण्डार है। वह यहां आता है। साधना करता है। दोष उभरते हैं, उखड़ते हैं। शरीर में अनेक स्थानों पर दोष दर्दरूप प्रकट होते हैं।

एक अनुभवी सन्यासी था। उसके पास एक शिष्य आया। शिष्य ने सन्यासी की सेवा की। सन्यासी ने प्रसन्न होकर कहा–लो, यह तेल देता हूं। यह चमत्कारी तेल है। इसे शरीर में चुपड़ लेना। शरीर सिद्ध हो जाएगा। सन्यासी चला गया। उसने शरीर पर तेल चुपड़ लिया। भक्त लोग आते हैं और शिष्य के शरीर को देखकर दूर से ही भाग जाते हैं। एक दिन बीता, दो दिन बीते, तीन दिन बीते। उसने सोचा, यह क्या हो गया? सैकड़ों भक्त आते, बैठते, प्रवचन सुनते, अब दूर से ही भाग जाते हैं। यह क्यों? वह अपने गुरु के पास गया और बोला– गुरुदेव ! यह कैसे परिवर्तन आ गया भक्तजनों में? कोई पास आता ही नहीं। गुरु ने कहा–इन दिनों तुमने कोई प्रयोग किया था? शिष्य बोला–कोई प्रयोग नहीं किया एक सन्यासी आया था। उसने तेल दिया था। मैंने उसको शरीर पर चुपड़ लिया था। बस, इतना ही किया था। गुरु ने उसका शरीर सूंघा और सूंघकर कहा अरे गजब कर दिया तुमने ! वह सुदर्शन तेल था। उसको लगाने से शरीर पारदर्शी हो जाता है और मन का प्रतिबिम्ब उसमें निखर आता है। तेरा मन अभी सधा नहीं है। उसमें अनेक दोष हैं। वह विकृत है, गन्दा है। इतने दिन तक वह ढंका पड़ा था। कोई उसे जान नहीं पाता था। प्रभाव से तेरा अन्तःकरण शरीर में प्रतिबिम्बित हो गया। भक्त आता है। देखता है और सोचता है– जिन्हें हम प्रणाम करते हैं, भगवान् मानते हैं, विरक्त मानते हैं, वे हृदय से इतने गंदे हैं, मन से इतने विकृत हैं, तो हम इन्हें कैसे प्रणाम करें? कैसे इनकी भक्ति करें। वे देखते ही भाग जाते हैं। शिष्य! इसे उतारो। तुम्हारे लिए तो तिलों का या सरसों का तेल ही लाभदायक है।

यह सुदर्शन तेल की कथा है। प्रज्ञा–प्रदीप भी सुदर्शन तेल का काम कर रहा है। जो लोग यहां साधना करने आते हैं, उनके दोष प्रकट होते हैं। भीतर में जो कुछ एकत्रित कर रखा है, वह बाहर आता है। जब दोष बाहर निकलना चाहते हैं, तब आदमी घबरा जाता है। वह शिकायतों से भर जाता है। वह कहता है–मैं साधना करने यहां आया था, परन्तु पैरों का दर्द बढ़ गया। कमर में दर्द हो गया। गर्दन दुखने लगी। पेट भी ठीक नहीं है। मैं समझता हूँ, प्रगट होना अच्छा है। दोषों का अपनयन लाभदायक है। इससे शरीर सधता है। काय–सिद्धि का यही उपाय है।

साधनाकाल में जो कुछ किया जाता है वह शरीर को सताने के लिए नहीं, किन्तु शरीर को साधने के लिए किया जाता है। शरीर को साधने में कष्ट अवश्य ही होता है, पर साधना का प्रयोजन कष्ट पहुंचाना नहीं है। आदमी बीमार होता है। वह दवाई लेता है। क्या दवा लेना कष्टकर नहीं होता? बहुत कष्टदायी होता है। इन्जेक्शन लग गया आधे मिनट में, पर उसका दर्द पांच दिन तक भी नहीं मिटता। दर्द होता है, ज्वर आ जाता है और कभी–कभी पक जाता है ऐसी स्थिति में उस रोगी को भयंकर कष्ट से गुजरना होता है। इन्जेक्शन सताता है, परन्तु क्या इन्जेक्शन शरीर को सताने के लिए दिया जाता है? नहीं। उसका उद्देश्य सताना नहीं है, रोग मिटाना है। क्या ऑपरेशन शरीर को सताने के लिए किए जाते हैं? नहीं। शरीर को कष्ट अवश्य ही होता है, पर ऑपरेशन का उद्देश्य सताना नहीं हो सकता। जहां बीमारी को, दोष को मिटाने की बात प्राप्त है वहां कष्ट की बात भी प्रसंगोपात है, उसे अलग–थलग नहीं किया जा सकता।

मैं उस भाई की बात को स्वीकार करता हूं। फिर शरीर की सिद्धि में शरीर को सताने की बात आ सकती है, किन्तु सताने के लिए नहीं सताया जा रहा है, अपितु बीमारी को मिटाने के लिए या शरीर को साधने के लिए किया जा रहा है, कष्ट भी हो सकता है और सताने जैसी भाषा भी हो सकती है। कायसिद्धि में आसन, प्राणायाम, बंध आदि सारे उपाय उपादेय हैं। किन्तु इन सब में महत्त्वपूर्ण है, निस्संगता का प्रयोग।

शरीर भानुमती का पिटारा है। यदि कोई आदमी अपना

पूरा जीवन लगा दे फिर भी वह पूरे शरीर को नहीं समझ पाता। बहुत पेचीदा है शरीर तंत्र। शरीर पर चमड़ी दिखाई देती है। कोरा रंग और रूप दिखाई देता है। चमड़ी इतनी ही नहीं है। इसकी रचना को देखें। इसके एक वर्ग सेंटीमीटर में दो लाख कोशिकाएं हैं। हमारी चमड़ी में पसीना निकालने वाली दो लाख ग्रन्थियां हैं। चमड़ी का पूरा विवरण पढ़ने पर लगता है कि चमड़ी का यह कारखाना बहुत विशाल और पेचीदा है। मैं कोरी चमड़ी के विषय की बात कर रहा हूं। बहुत लम्बी चर्चा है।

शरीर को साधने के लिए निस्संगता– अनासक्ति बहुत जरूरी है। आसक्ति के द्वारा शरीर में अनेक दोष आते हैं। जब–जब हमारे मन में मूर्च्छा के भाव जागते हैं, आसक्ति जागती है तब शरीर का कण–कण मल से भर जाता है। बड़ी दयनीय स्थिति बन जाती है। आदमी समझ ही नहीं पाता। वह मल अनासक्ति के द्वारा ही घुलता है।

शरीर–प्रेक्षा, कायोत्सर्ग, निस्संगता–ये सारे प्रयोग चेतना के प्रति जागने के प्रयोग हैं। ध्यान का अर्थ शून्यता नहीं है। ध्यान का अर्थ होता है चेतना के प्रति जागना और फिर उसका साक्षात्कार करना। ध्यान के दो अंग हैं–जागना और फिर उसका साक्षात्कार करना। पहले जागना होता है। और जैसे–जैसे जागृति का अभ्यास बढ़ता है, वह परिपक्व होता है तब साक्षात्कार की बात आती है श्वास का साक्षात्कार, शरीर का साक्षात्कार शरीर के अवयवों का साक्षात्कार और होते–होते एक दिन आता है कि चेतना का साक्षात्कार हो जाता है।

उस भाई का तर्क ठीक है कि शरीर गन्दा है। वह बाहर के पदार्थों से भी गन्दा है और आसक्ति के द्वारा जमने वाले मलों से भी गन्दा बनता है। उस गन्दगी को साफ करने के लिए शरीर–प्रेक्षा बहुत बड़ा साधन है। हम यह नहीं कह सकते हैं कि शरीर गर्दा ही है या शरीर गन्दा नहीं है। शरीर गन्दा है, यह भी सच है और शरीर शुद्ध है, यह भी सच है। यदि शरीर कोरा गन्दा होता तो प्रेक्षा–ध्यान में शरीर को देखने की बात नहीं होती। शरीर गन्दा न हो तो उसकी सफाई की बात भी प्राप्त नहीं होती। दोनों कथन सापेक्ष हैं।

गुरु जा रहे थे। साथ में दस–बीस शिष्य थे। गुरु को प्यास लगी। शिष्य दौड़ा–दौड़ा गया। पानी भर लाया। गुरु ने देखा, कहा, अरे, इतना गन्दा पानी ! शिष्य बोला–ठहरें, दस मिनट बाद साफ पानी ले आऊंगा। दस मिनट बीते। साफ पानी ले आए। गुरु बोले– अरे, पहले इतना गन्दा पानी और अब इतना साफ पानी ! शिष्य बोला–महाराज ! नदी से पहले गाड़ियों का समूह गुजरा था। पानी गुदला गया था। अब वह पानी धीरे धीरे साफ हुआ है, नितर गया है। सारा मल नीचे जम गया है। गुरु ने कहा–हमारी भी यही स्थिति है। जब आसक्ति की गाड़ियां गुजरती हैं तब चेतना गन्दी हो जाती है। जब आसक्ति मिटती है तब चेतना शुद्ध हो जाती है, निर्मल हो जाती है। चेतना ही निर्मल नहीं होती, साथ–साथ शरीर भी निर्मल होता है।

दो दृष्टिकोण हैं, एक है शरीर को सताना और दूसरा है शरीर को साधना। एक है शरीर का गन्दा होना और एक है शरीर का निर्मल होना। यदि हमारा दृष्टिकोण बदल जाए, चश्मा बदल जाए तो फिर गन्दे शरीर को छोड़कर पवित्र चेतना की दिशा में प्रस्थान हो सकता है। यदि दृष्टिकोण बदल जाए तो शरीर को सताने की बात छोड़कर, काया को साधने की दिशा में प्रस्थान हो सकता है। यह है हमारी कायसिद्धि का उपाय और प्रयोजन।

–आचार्य महाप्रज्ञ

'मैं कुछ होना चाहता हूँ' से साभार

पल्लीवाल जैन शिक्षा समिति

सी–22, दांतिया हाऊस, इन्द्रपुरी, लालकोठी, जयपुर, फोन: 0141–2742467

रोजगार सूचना

1. वार्डन- **पल्लीवाल जैन छात्रावास हेतु**

(महिला को प्राथमिकता)

शैक्षणिक योग्यता– ग्रेजुएट

अनुभव– किसी छात्रावास/पी.जी. में कार्य करने का अनुभव। वार्डन का छात्रावास में रहना आवश्यक होगा। ग्रेजुएशन के साथ बी.एड./एस.टी.सी./एन.टी.टी. योग्यताधारी को प्राथमिकता।

2. प्रिन्सिपल/कोर्डिनेटर-

प्राथमिक विद्यालय हेतु

शैक्षणिक योग्यता– ग्रेजुएशन तथा बी.एड./एस.टी.सी./एन.टी.टी.

अनुभव– अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में पढ़ाने का अनुभव एवं अंग्रेजी माध्यम से शैक्षणिक योग्यता अर्जित करने वाले को प्राथमिकता।

वेतन– योग्यता एवं अनुभव के अनुसार

सम्पर्क : अशोक कुमार जैन

2–बी, रामद्वारा कॉलोनी, महावीर नगर, टोंक रोड, जयपुर, मो.: 9414047684

मार्ग के खोज की स्वतंत्रता

न तो आज जमीन पर हिंदू हैं, न मुसलमान, न बौद्ध। आज कैदी हैं। कोई हिंदू कैदखाने में है, कोई मुसलमान कैदखाने में है, कोई जैन कैदखाने में है।

कैदखाना इसलिए कहता हूं कि आपने कभी सोचा ही नहीं कि आपको जैन होना है, कि हिंदू होना है, कि मुसलमान होना है। आपने चुना नहीं है। यह आपकी गुलामी है। लेकिन गुलामी इतनी सूक्ष्म है कि आपको पता नहीं चलता, क्योंकि आपके होश में नहीं डाली गई है। जब आप बेहोश थे, तब यह गुलामी, यह जंजीर आपके हाथ में पहना दी गई। जब आपको होश आया तो आपने जंजीर अपने हाथ में ही पाई। और इसे जंजीर भी नहीं कहा जाता है। इसे आपके मां बाप ने, परिवार ने, समाज ने समझाया है कि यह आभूषण है! आप इसको सम्हालते हैं, कोई तोड़ न दे। यह आभूषण है और बड़ा कीमती है, आप इसके लिए जान लगा देंगे।

एक बड़े मजे की घटना घटती है। अगर हिंदू धर्म पर खतरा हो तो आप अपनी जान लगा सकते हैं। आप हिंदू धर्म, मुसलमान या ईसाई, किसी भी धर्म के लिए मर सकते हैं, लेकिन जी नहीं सकते। अगर आपसे कहा जाए कि जीवन हिंदू की तरह जीयो, तो आप जीने को राजी नहीं हैं। मुसलमान की तरह जीयो, जीने को राजी नहीं हैं। लेकिन अगर झगड़ा-फसाद हो तो आप मरने के लिए राजी हैं! वह आदमी हिंदू धर्म के लिए मरने के लिए राजी है, जो हिंदू धर्म के लिए जीने के लिए कभी राजी नहीं था! क्या मामला है?

कहीं कोई रोग है, कहीं कोई बीमारी है। जीने के लिए हमारी कोई उत्सुकता नहीं है। मार-काट के लिए हम उत्सुक हो जाते हैं। क्योंकि जैसे ही कोई हमारे धर्म पर हमला करता है, हमें होश ही नहीं रह जाता। वह हमारा बेहोश हिस्सा है, जिस पर हमला किया जा रहा है।

इसलिए जब भी हिंदू-मुसलमान लड़ते हैं, तो आप यह मत समझना कि वे होश में लड़ रहे हैं। वे बेहोशी में लड़ रहे हैं। बेहोशी में वे हिंदू-मुसलमान हैं, होश में नहीं हैं। इसलिए कोई भी उनके अचेतन मन को चोट कर दे, तो बस वे पागल हो जाएंगे। न तो हिंदू लड़ते हैं, न मुसलमान लड़ते हैं-पागल लड़ते हैं। कोई हिंदू मार्का पागल है। कोई मुसलमान मार्का पागल है। यह मार्कों का फर्क है, लेकिन पागल है।

और आपके भीतर धर्म उस समय डाला जाता है, जब तर्क की कोई क्षमता नहीं होती।

इसलिए मैं कहता हूं कि यह सबसे बड़ा पाप है। और जब तक यह पाप बंद नहीं होता, जब तक हम प्रत्येक व्यक्ति को अपने मार्ग की खोज की स्वतंत्रता नहीं देते, तब तक दुनिया धार्मिक नहीं हो सकेगी। क्योंकि धार्मिक होने के लिए स्वयं का निर्णय चाहिए।

संकलन : चन्द्रशेखर जैन

आसान है क्या लड़की होना

जनम से लेकर मरने तक, चलता रहता है रोना धोना
लड़कियों को ही पता होता है, आसान नहीं होता लड़की होना
समझ जाती है ताने सुन-सुन के,
पराया धन हैं हम,
दम घुटता है इनका भी
कुछ रोकर कुछ मसोसकर, अन्दर ही अन्दर घुटती है
क्यू नहीं जीने देती निर्मम दुनियाँ इनको,
ये भी तो इन्सान है
दर्द इनको भी होता है, इनमें भी तो जान है
चैन से कैसे रहे नींद का तो नाम नहीं,
स्कूल कॉलेज गाँव शहर हमें कहीं आराम नहीं
जो कर सकती है वो भी ख्वाब रह जाता है,
इनके इस दर्द को भगवान भी नहीं समझ पाता है
जिसने खुद ली हो अग्निपरीक्षा सीता की
क्या अच्छा लगता उसके सामने अपने, दर्द का रोना
ले तो लिया जनम पर, आसान है क्या लड़की होना
क्यूं जीने नहीं देती दुनिया इनको, ये भी तो इंसान है
दर्द इनकों भी होता है, इनमें भी तो जान है ।

-अपूर्वा जैन, मण्डावर (दौसा)

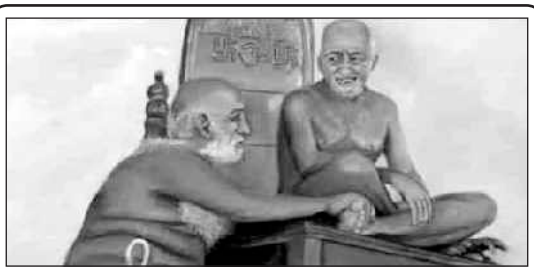

जिस घर में बड़ों को छोटो से डर लगने लग जाए, उस घर में समझ लेना कलयुग प्रवेश कर गया है। आप से बहुत करुणा करके कह रहा हूं, कभी भी अपनी छवि ऐसी मत बनाना कि तुम्हारे घर का पूज्य पुरुष तुमसे डरने लगे, तुमसे अपने मन की बात ना कह सके। यदि ऐसी छवि तुमने बना ली है तो फिर चाहे तुम कितना भी धर्म कर लेना, एक दिन तुम्हारा पतन निश्चित है।

(प्रवचन-मुनि श्री सुधासागर जी)

QUALITY WORKS • PROMPT SERVICE • COMPETITIVE RATES

PRODUCTS :
Transmission Line Towers (HT&LT), Telecom Towers, Wind Mill Structures, Sub-Station Structures, Lattice Structures, RSJ Poles & GI Earthing Strips.

FULLY EQUIPPED ULTRA MODERN FABRICATION AND GALVANIZING PLANT WITH EOT CRANES, HOISTS, POWER TROLLEYS, TESTING LABS & ETP SYSTEM TO ENSURE GREEN ENVIRONMENT

Fabrication & Galvanizing done as per IS, BIS, ASTM, DIN & ISO Standards
Bath Size : 9m (L) x 0.8m (W) x 1.4m (D)
Plant Capacity : 18000 Tons / Year

Vijay Transmission PVT. LTD.

Vijay Transmission PVT. LTD.

Plant :
PNH No. 100, Village Kanhera, Block Dharsiva, Uria Acholi Marg, Dist. Raipur-492001
Tel.: (0771) 305 4900 • Fax : (0771) 232 3162

Corporate Office :
210, 211, 2nd Floor, Kamla Space, S.V. Road, Santacruz (West), Mumbai-400054
Tel.: 022-262183401 • Fax : +91-022-26609915
E-mail : info@vijaytransmission.com

卐 श्री महावीराय नमः 卐

तृतीय पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्रीमती त्रिशला जी जैन

(जन्म : 10.08.1950 स्वर्गवास : 30-04-2018)

हम सभी परिवारजन आपको श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए सादर नमन करते हैं।

श्रद्धावनत

रमेश चन्द जैन *(R. सेल्स टैक्स)* *(पति)*
स्मिता जैन-शरद जैन *(पुत्री-दामाद)*
वान्या, मानवी *(धेवती)*
माया देवी-जगदीश प्रसाद जैन, ठेकेदार *(बहन-बहनोई)*

नीलम-महेश जैन *(SBI)*
प्राची-राजेन्द्र जैन
बबिता-संजीव जैन
संगीता-तपेश जैन ठेकेदार *(भांजे)*

निवास :
18-ए, कलाकुंज, निकट मारूति एस्टेट, बोदला रोड, आगरा
मोबाइल : 9927938887
(मूल निवासी : गांव बसैया, तह. किरावली, जिला आगरा)

दशम पुण्यतिथि पर अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

स्व. श्रीमती ऊषा जी जैन

स्वर्गवास 25 अप्रैल 2011

हम सभी परिवारजन

सजल नेत्रों से श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं

श्रद्धावनत

श्री सुधीर जैन (पति)

पुत्र-पुत्रवधु :
नितिश-वर्षा
चन्द्रेश (हैप्पी)-सोनाली

जेठ-जेठानी :
दिनेश जैन-चमन माला जैन

पुत्री-दामाद :
रुचि-डॉ. रोहिताश्व

पौत्री :
अंशिका
(परी)

नवासी :
अनिका
(रूही)

निवास

बी-151, जवाहर नगर, भरतपुर (राज.)
मो.: 9461643591, 9929246501

पंचम पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. रक्षा जैन

(पुण्यतिथि : 31 मार्च 2016)

(सुपौत्री स्व. श्री सुरेश चन्द जी एवं स्व. श्रीमती विमलेश कुमारी जी पल्लीवाल)

हमारे परिवार की लाडली बिटिया रक्षा जैन को
पुण्य तिथि पर श्रृद्धा सुमन एवं श्रृद्धांजलि

श्रद्धावनत

माता-पिता :

राकेश पल्लीवाल-मधु जैन

(केन्द्रीय कार्यकारिणी सदस्य, अ.भा.प.जैन महासभा)

चाचा-चाची :
मनोज पल्लीवाल-सीमा जैन
अमित पल्लीवाल सोनिका जैन
(पूर्व कार्यकारिणी सदस्य जयपुर)

भाई :
नमन पल्लीवाल, सिद्धार्थ जैन
उमंग जैन, देवाशीष जैन, आदि

बुआजी-फूफा जी :
आशा जैन-अरविन्द जैन
ममता जैन-स्व. उमेश जैन
रेखा जैन-अनिल जैन

बहिन-बहनोई :
दीपाली-आनंद जी
सोनिया-प्रतीक जी
ऐंजल जैन, ऐना जैन, रिया जैन

नानाजी :
बाबूलाल जैन (मूंडिया वाले)

मामा-मामी :
अशोक कुमार-मिथलेश जैन
गिरिश जैन-सुमन जैन
गोविन्द सहाय-बीना जैन

निवास

लाल हवेली, नया बाजार, गंगापुरसिटी-322201, जिला सवाईमाधोपुर (राज.)
मोबाईल नं. 8442050327, 998303337, 8739996662

शाखा समाचार

शाखा ग्वालियर | *संगीतमय णमोकार मंत्र पाठ*

नवगठित शाखा कार्यकारिणी के तत्वाधान में मासिक णमोकार पाठ का आयोजन दिनांक 07 फरवरी को वर्तमान शाखा उपाध्यक्ष (लश्कर) श्री कमलकिशोर जैन (काके) के छत्री बाजार स्थित निवास स्थान पर हुआ। पाठ का शुभारंभ श्री महेंद्र जैन (LIC) के द्वारा मंगलाचरण की प्रस्तुति के पश्चात् श्री कमलकिशोर के परिवार द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया। उसके बाद 1 घंटे संगीतमय धुनों के णमोकार पाठ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन श्री राजकुमार जैन (कोचिंग वाले), श्री यतीन्द्र जैन एवं श्री रवि जैन के द्वारा किया गया। णमोकार पाठ के पश्चात् वैवाहिक वर्षगाँठ की शुभकामनाऐं प्रेषित की गयी। श्रीमती द्रोपदी जैन, श्री महेंद्र जैन, श्री आर्यन जैन व श्रीमती अनीता जैन ने मनमोहक भजनों की प्रस्तुति दी। श्री अविनाश जैन का ड्रॉ निकला और उन्हें पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय महामंत्री श्री राजीव रतन जी, राष्ट्रीय महासभा कार्यकारिणी सदस्य श्री विवेक जैन, श्री ओमप्रकाश जैन (शाखा अध्यक्ष), श्री गौरव जैन (मंत्री), श्री रवि जैन (कोषाध्यक्ष) समेत अन्य गणमान्य बंधु एवं समाज की महिलायें उपस्थित रहीं। अंत में कोषाध्यक्ष द्वारा आभार व्यक्त किया गया। तत्पश्चात सभी ने स्वल्पाहार का आनंद लिया।

7 मार्च को णमोकार पाठ का आयोजन वर्तमान शाखा अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश जैन के द्वारा तीर्थक्षेत्र त्रिशलागिरि पर आयोजित किया गया। पाठ का शुभारंभ श्री महेंद्र जैन (LIC) के द्वारा मंगलाचरण की प्रस्तुति के पश्चात् श्री ओमप्रकाश जी के परिवार द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया। उसके बाद 1 घंटे संगीतमय धुनों के णमोकार पाठ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन श्री राजकुमार जैन (कोचिंग वाले) एवं श्री गौरव जैन (बानमोर वाले) के द्वारा किया गया। णमोकार पाठ के पश्चात् वैवाहिक वर्षगाँठ की शुभकामनाऐं प्रेषित की गयी।

श्री अतुल जैन, श्रीमती निशा जैन, श्रीमती सुधा जैन, मोनिका जैन विदिशा, श्रीमती मीतू जैन बाँझल ने मनमोहक भजनों की प्रस्तुति दी। श्रीमती ममता जैन धर्मपत्नी श्री चन्द्रप्रकाश जैन का ड्रा निकला और उन्हें पुरस्कृत किया गया। पुण्यार्जक परिवार को शाखा द्वारा स्मृति चिन्ह भी भेंट किया गया। कार्यक्रम में श्री संजय जैन, श्री पारस जैन (बीनागंज), श्री रवि जैन (कोषाध्यक्ष), श्री लोकेन्द्र जैन, श्रीमति पुष्पा जैन, श्रीमती रत्नप्रभा जैन समेत अन्य गणमान्य बंधु एवं समाज की महिलायें उपस्थित रहीं। अंत में शाखा मंत्री द्वारा आभार व्यक्त किया गया। तत्पश्चात सभी ने त्रिशलागिरि स्थित भोजनशाला में स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया । साथ ही तीर्थ क्षेत्र के विकास हेतु शाखा के लोगो द्वारा दान दिया गया ।

महिला मंडल, ग्वालियर शाखा

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महिला मण्डल शाखा ग्वालियर द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन श्री वीर जैन छात्रावास माधव डिस्पेन्सरी के सामने किया गया। अध्यक्षता श्रीमती मंजू (रेहट) चित्र अनावरणकर्त्ता श्रीमती विमलेश जैन हनुमान नगर, दीप प्रज्वलनकर्त्ता श्रीमती मिथलेश जैन (बैंक) द्वारा भगवान महावीर स्वामी के सामने दीप प्रज्जवलन किया। मंगलाचरण श्रीमती मिनी जैन, सांस्कृतिक मंत्री डॉ. संगीता जैन द्वारा विभिन्न गेम कराये गये, जिसमें चेयर रेस, पेपर गेम, हाऊजी, होली से सम्बन्धित बैलून गेम, डांस आदि कराये गये। चेयर रेस विनर प्रथम श्रीमती मधु जैन, द्वितीय श्रीमती वीना जैन, तृतीय श्रीमती शशी जैन, पमपर गेम में प्रथम मिथलेश जैन, द्वितीय कमलेश जैन, तृतीय पूजा जैन, होली क्वीन पूर्व अध्यक्ष श्रीमती मिथलेश जैन (बैंक), रनरअप श्रीमती वीना जैन रहीं। सभी महिला मण्डल सदस्यों द्वारा रंगबिरंगे परिधान में फूलों एवं चंदन के द्वारा हर्षोल्लास से होली मिलन समारोह मनाया गया। आभार श्रीमती विमलेश जैन नई सड़क द्वारा किया गया। अंत में सभी ने स्वादिष्ट ठंडाई एवं भोजन का आनंद लिया।

शाखा समाचार

महिला मंडल, जयपुर शाखा

पल्लीवाल जैन महिला मंडल जयपुर द्वारा 21मार्च 2021 को पल्लीवाल भवन पर फागोत्सव मनाया गया । फागोत्सव में काफी संख्या में महिला सदस्याएं उपस्थित हुई। कार्यकारिणी सदस्य निधि जैन व ममता जैन द्वारा सभी का गुलाल लगा कर स्वागत किया गया। फागोत्सव मनाने के उद्देश्य पर मंत्री रमा जैन ने अपने विचार व्यक्त किए कि जिस तरह से गुलाल के विभिन्न रंग होते हुए सभी एक दूसरे के रंगों में रंग जाते हैं और खुश होते हैं उसी प्रकार हम भी अपने जीवन में सभी प्रकार के भेदभाव को खत्म कर समाज व देश का उत्थान कर सकेंगे।

तत्पश्चात कार्यक्रम की शुरुआत राजरानी जैन द्वारा चौबीसी गाकर की गई । इसके पश्चात अल्का जैन, अनिता जैन, रचना जैन, दीप्ति जैन, मोहनमाला जैन, सुनिता जैन, मुन्नी जैन,रामा जैन, बिन्दु जैन इत्यादि ने भजन व नृत्य प्रस्तुत किया।

अध्यक्ष ममता जैन द्वारा हाऊजी गेम खिलवाया गया सभी ने बहुत आनन्द लिया। हाऊजी लक्की ड्रा की विजेता ऊषा जैन को पुष्पा जैन (कोषाध्यक्ष) द्वारा ईनाम दिया गया। दूसरा लकी ड्रा गेम भी खिलवाया गया जिसमें प्रथम विजेता रजनी जैन द्वितीय चन्द्रकान्ता जैन को आशा जैन (कार्यकारिणी सदस्य) द्वारा ईनाम दिया गया।

कार्यक्रम में सीनियर सिटीजन श्रीमती शकुंतला जैन का सम्मान कल्पना जैन (अर्थ मंत्री) के द्वारा माला पहनाकर वह उपहार ममता जैन (अध्यक्ष) के द्वारा देकर किया गया। सभी सदस्याओं ने अपने विचार रखे कि इस तरह के आयोजन होते रहने चाहिए। उपरोक्त कार्यक्रम के पश्चात ठण्डाई व अल्पाहार वितरित किया गया।

वृद्धजन सेवा

श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका के फरवरी 2021 के अंक में 'वृद्धजन सेवा' लेख प्रकाशित हुआ है। इस विषय में अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा के पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों, महासभा की शाखाओं के अध्यक्ष–मत्रियों एवं समाजसेवियों से अनुरोध है कि समाज के ऐसे वृद्धजनों व असहायजनों जिनकी सेवा सुश्रुषा के लिए कोई भी परिवारजन, रिश्तेदार नहीं है, उनकी आर्थिक स्थिति भी ठीक नहीं है जिससे उनके रहने, खाने–पीने व चिकित्सा आदि की व्यवस्था नहीं हो पा रही है। कृपया अपने–अपने क्षेत्र (शहर, कस्बों एवं गांवों) में निवास करने वाले ऐसे असहाय एवं वृद्धजनों (महिलाओं व पुरुषों) की पूर्ण जानकारी (नाम, पता, उम्र, सम्पर्क सूत्र मय मोबाइल नंबर) कुल संख्या हमें निम्न पते पर पत्र द्वारा या मो.नम्बर पर उपलब्ध करायें। कृपया सेवा के कार्य में सहयोग करें।

–श्रीचंद जैन, *पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री महासभा*
110, अशोक विहार विस्तार, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर–302015, मो.: 9414784754

पूजा वाला घी

अभी दुकानदार मेरी लिस्ट का सामान तोल ही रहा था कि एक आवाज आई, अंकल मंदिर के लिए घी देना। मैंने अचंभित हो पूछा कि ये कौनसा घी है तो उत्तर मिला कि ये स्पेशल है जो सामान्य घी से एक बटा तीन रेट पर मिलता हैं और अधिकतम घरों में पूजा पाठ के काम आता है।

मैं लोगों की भक्ति व पर्यावरण की शक्ति को कमजोर होते देखकर भी चुप थी।

सही कौन ?

ये टब कितने कपड़ों में दिया है भैया ? आठ कपडो में, मैडम जी। चार में देना है ? अरे मैम सुबह से बोहनी नहीं हुई, वरना तो बारह का है। चार में ही देना है तो दो, नहीं तो इन्हें भी किसी गरीब को दे दूंगी। क्या मैम, आप भी चाहती हैं कि ये मेहनत छोड़कर मैं भिखारी बन जाऊं, हम भी गरीब हैं, घर बच्चे कल से भूखे हैं।

नहीं, नहीं, नहीं।

मुझे इनको किसी भिखारी को देना मंजूर है, पर तुझे नहीं।

आपके हिसाब से सही कौन ? मैम या गरीब टब बेचने वाला।

–सुनीता मुकेश जैन, जयपुर

महासभा सदस्यता

1. **श्री मदन मोहन जैन** पुत्र श्री कन्हैया लाल जैन, फेयर प्राईज शॉप, मोदक स्टेशन, तहसील रामगंजमंडी, जिला कोटा *(र.सं. 4962)*
2. **श्रीमती नीलम** पत्नी श्री मदन मोहन जैन, फेयर प्राईज शॉप, मोदक स्टेशन, तहसील रामगंजमंडी, जिला कोटा *(र.सं. 4963)*
3. **श्री हेमन्त जैन** पुत्र श्री मदन मोहन जैन, अन्नपूर्णा भण्डार, मोदक स्टेशन, तहसील रामगंजमंडी, जिला कोटा *(र.सं. 4964)*
4. **श्रीमती ज्योति जैन** पत्नी श्री हेमन्त जैन, अन्नपूर्णा भण्डार, मोदक स्टेशन, तहसील रामगंजमंडी, जिला कोटा *(र.सं. 4965)*

महासभा सहायता

★ **श्री पुनीत जी जैन,** 1/534, काला कुआ हाउसिंग बोर्ड, अलवर ने अपने पूजनीय पिताजी स्व. श्री धर्मचन्द जी जैन की पुण्य स्मृति में महासभा सहायता हेतु रु. 1,100/– सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. 4967)*

पत्रिका सहायता

★ **श्री सुशील कुमार जी जैन,** आर जेड–डी 225, राजनगर पार्ट 2, पालम कॉलोनी, नई दिल्ली ने अपनी पूज्य माताजी स्व. श्रीमती बिमला देवी जी जैन की प्रथम पुण्य तिथि पर पत्रिका को रु. 2,100/– सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. 2495)*

पल्लीवाल जैन शिक्षा समिति

सी–22, दांतिया हाऊस, इन्द्रपुरी, लालकोठी, जयपुर, फोन: 0141–2742467

सूचना

पल्लीवाल जैन छात्रावास, जगतपुरा, जयपुर में प्रवेश लेने के इच्छुक छात्रों से आवेदन आमंत्रित हैं। वे छात्र जो सीनियर सैकण्डरी परीक्षा पास कर चुके हैं तथा जयुर में स्थित किसी भी उच्च शिक्षण संस्थान में अध्ययन करना चाहते हैं वे छात्रावास में प्रवेश के पात्र हैं।

फिलहाल केवल पल्लीवाल जैन छात्रों को प्रवेश देना सम्भव होगा। छात्रावास का नया भवन निर्माणाधीन है, पूर्ण होने पर किसी भी जैन छात्र को प्रवेश दिया जा सकेगा।

सम्पर्क सूत्र :

श्री अशोक कुमार जैन 9414047784

श्री अनिल कुमार जैन 9414001041

विधवा सहायता

★ **श्री नरेश चंद जी जैन, श्री मुकेश चंद जी जैन, श्री राकेश चंद जी जैन,** सी–137, रणजीत नगर, भरतपुर ने अपनी पूजनीय माताजी स्व. श्रीमती पिस्ता देवी जी जैन धर्मपत्नी श्री दीपचंद जी जैन की पुण्य स्मृति (दिनांक 25.03.2021) में विधवा सहायता हेतु रु. 12,000/– सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. 4971)*

★ **श्रीमती उर्मिला जी जैन,** जयपुर कार्यकारिणी सदस्य अ.भा.प. जैन महासभा ने विधवा सहायता हेतु रु. 12,000/– सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. 4961)*

★ **श्री अनन्त कुमार लवनीश कुमार जैन,** हलवाई पाड़ा, जैन खेन्डलवाल मन्दिर, अलवर ने विधवा सहायता हेतु रु. 12,000/– सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. 4966)*

★ **श्री रमेश चन्द जी जैन, श्री पंकज जी जैन,** 12 रेलवे रोड, पालम कॉलोनी, नई दिल्ली–110077 ने विधवा सहायता हेतु रु. 6,000/– सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. 4968)*

★ **श्रीमती महेश कुमारी जी जैन** धर्मपत्नी स्व. श्री खैराती लाल जी जैन, 526 लाजपत नगर, स्कीम 2, अलवर ने अपने पति स्व. श्री खैराती लाल जी जैन की पुण्य स्मृति में विधवा सहायता हेतु रु. 2,000/– सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. 4970)*

पत्रिका सदस्यता

3113. **Sh. Mayank Ji Jain,** H.No. 1724, Sector-7, Awas Vikas Colony, Bodla, Agra-282007, Mob.: 989795365 *(CR D-2469)*

3114. **Sh. Sheetal Prasad Ji Jain,** Plot No. 39, Shri Ram Colony, Behind Chambal Power House, Ram Nagar, Hawa Sadak, Sodala, Jaipur-302019, Mob.: 8058539890 *(CR D-2467)*

3115. **Sh. Narendra Kumar Ji Jain,** 667, Barkat Nagar, Near Pani Ki Tanki, Tonk Phatak, Jaipur-302015, Mob.: 9352643420 *(CR D-2470)*

3116. **Sh. Harshit Ji Jain** S/o Sh. Sanjay Kumar Jain, A-70, Vaishali Nagar, Alwar-301001, Mob.: 9828194184 *(CR D-2501)*

3117. **Sh. Chaitanya Prakash Ji Jain,** Old Bayana Bus Stand, Advocate Colony, Bharatpur-321001 *(CR D-2000)*

3118. **Sh. Nirmal Kumar Ji Jain,** "Akansha Bhawan", Mandawar Mahwa Road, Near Science Campus School, Mandawar, Dist. Dausa-321609, Mob.: 9950332968 *(CR D-2551)*

बधाई

Dr. Neha Jain (*Wife of* Sh. Yash Jain, *Daughter of* Sh. Jai Prakash Jain, *Daughter in Law of* Sh. Trilok Jain & Smt. Rajeshwari Paliwal), 239, Sagar-II, Gayatri Nagar-B, Maharani Farm, Durgapura, Jaipur, Received Research Excellence Award-2020 in the field of research from Institute of Scholars, Bangaluru. Dr. Neha presently working with Mahatma Gandhi Hospital, Sitapura, Jaipur as an Associate Professor (Occupational Therapist).

श्री टीकम चन्द जैन का आलेख अखिल भारतीय श्री जैन रत्न श्राविका मंडल द्वारा आयोजित लेख प्रतियोगिता, विषय– गुरु हस्ती द्वारा प्रदत्त अनमोल संदेश ''सामायिक स्वाध्याय का अपने जीवन में अनुभव'' में प्रोत्साहन पुरस्कार के लिए चयनित हुआ है। यह प्रतियोगिता प्रातः स्मरणीय, बाल ब्रह्मचारी, सामायिक स्वाध्याय के प्रबल प्रेरक, इतिहास मार्तण्ड, जैनाचार्य परम श्रद्धेय 1008 श्री हस्तीमल जी म.सा. के दीक्षा शताब्दी वर्ष के उपलक्ष में सभी के लिए आयोजित की गई। श्री जैन का कहना है– सामायिक–स्वाध्याय जीवन उन्नति का अनमोल साधन है और नवकार महामंत्र जैन धर्म का प्रथम मंत्र है, जो जीवन में प्रकाश की किरण बिखेर देता है। यह मंत्र चौदह पूर्व से चला आ रहा महा मंत्र है।

इंजि. प्रणव वाघे (जैन), B.E. (E.T.C.), M.B.A. (IIM Calcutta), पुत्र डॉ. सुहास वाघे एवं श्रीमती अंजली सुहास वाघे का हिंदुस्तान कम्प्युटर लिमिटेड (H.C.L.) में Globle Engagement Techno Manager के पद पर चयन हुआ है। प्रणव का वार्षिक पैकेज 35 लाख रु. है।

अ.भा.प. जैन महासभा उपरोक्त तीनों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए हार्दिक बधाई प्रेषित करती है।

26वीं पुण्य तिथि पर भावभीनी श्रृद्धांजलि

स्व. श्रीमती गुलाब देवी जैन

(धर्मपत्नी स्व. श्री पदम चन्द जैन)

निर्वाण दिनांक : 10 मई, 1994

हम सभी परिवार के सदस्य ''अम्मा'' की पुण्यतिथि पर सादर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए परमपिता से उनकी चिर आत्मीय शांति की कामना करते हैं।

पुत्र-पुत्रवधू :
विमल चन्द-शोभादेवी
तारा चन्द-मालती
सुधीर चन्द-सरला

पौत्र-पौत्रवधू :
वीरेन्द्र-सुषमा
अनिल-मंजू

नातिन-दामाद :
डॉ. दिपाली-डॉ. हिमांशु, ई. अंकिता-हिमांशु

नातिन : कोमल

नाती : दर्श

प्रनातिन : दीही

प्रपौत्र : आशीष व हर्ष

पौत्री-दामाद :
आभा-नरेन्द्र
अनीता-प्रवीण

प्रपौत्री-दामाद :
नेहा-रघु
भूमिका-भार्गव

(CR D-2474)

निवास : 2 क 28, सेक्टर 5, गायत्री नगर, हिरण मगरी, उदयपुर-313002
फोन : 0294-2465561, 2467444, 2461374, मोबा.: 9413662553

॥ भावभीनी श्रद्धांजलि ॥

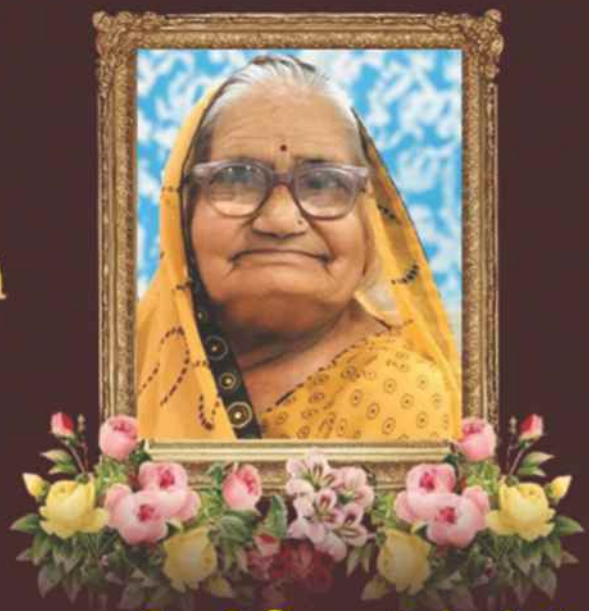

स्व. श्रीमती पिस्ता देवी जी जैन

(25.03.2021)

(धर्मपत्नी श्री दीपचंद जैन, रणजीत नगर, भरतपुर)

हम सभी परिवारजन अश्रुपूरित नेत्रों से श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

पति : दीपचंद जैन
देवर : रमेशचंद, प्रकाशचंद जैन
नन्द-नन्दोई : माया-बाबूलाल जी
भाई (हिंडोन) : मिट्ठनलाल जैन
प्रकाशचंद्र जैन

पुत्र-पुत्रवधु :
नरेशचंद-सुनीता जैन
मुकेशचंद-राधा जैन
राकेशचंद-सीमा जैन

पुत्री-दामाद : मधु जैन-राजकुमार जी
पौत्र-पौत्रवधु : डॉ. चिराग जैन-डॉ. हिमांशी
पोती-दामाद : आकांक्षा जैन-हिमांशु जी
नातिन-दामाद : रिद्धिमा जैन-अर्पित जी
नवासा-बहु : अरिहंत जैन-याक्षी

पौत्र, पौत्री : निकिता, संभव, निष्ठा, विधि, विधान, अथर्व
भतीजे : लोकेश, सुशील, आदेश, अभय

निवास : सी-137, रणजीत नगर, भरतपुर, मो.: 7060006260, 9414320236

श्रद्धा सुमन

स्व. श्री सत्य प्रकाश जी जैन

हम सभी परिवारजन आपके देवलोक गमन (दिनांक 20 मार्च 2021) पर प्रभु से प्रार्थना करते हैं कि आपको अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें।

आपका स्नेह, सरल व्यवहार, प्रसन्नचित्तता, कर्मठता, धर्म के प्रति आस्था, प्रभावी संपर्कशीलता एवं प्रेरणादायक व्यक्तित्व हमारी स्मृति में सदैव अंकित रहेगा एवं मार्गदर्शन करता रहेगा।
हम सभी आपको शत्-शत् नमन करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

पत्नी :
श्रीमती सुशीला देवी जैन

पुत्री-दामाद :
अर्चना-प्रदीप जैन

नवासी :
पलक जैन, परिधी जैन

पुत्र-पुत्रवधु :
आलोक-सीमा जैन
अशोक-अनुपमा जैन
संजय-ममता जैन

पौत्र-पौत्रवधु :
प्रतीक-हर्षिता जैन

पौत्र, पौत्री :
अपूर्व जैन, आयुषी जैन,
सृजन जैन, अनुष्का जैन

निवास स्थान

40, वन विहार कॉलोनी, टोंक रोड, जयपुर-302018 (राजस्थान)
मो.: 9414045699, 9414349759, 9785500656

पूज्य पिताजी स्व. श्री कपूरचन्दजी जैन व माताजी स्व. श्रीमती अंगूरी देवी जैन की
पुण्य स्मृति में

विमल चन्द जैन (रेता वाले)

ग्रुप ऑफ कम्पनीज

DEALERS & SUPPLIERS OF SILICA SAND & OTHER GLASS RAW MATERIAL

AKHIL JAIN (M) 9899823557 • ANKIT JAIN (M) 9837478564

★ The Rajasthan Silica Sand Suppliers
★ Santosh Mineral & Chemical Co.
★ S.B. Jain Mineral Enterprises
★ Super Fine Mineral Traders
★ Shree Vimal Silica Traders
★ Quality Silica Traders

128-129, गणेश नगर,
सेक्टर प्रथम,
पानी की टंकी के सामने,
फिरोजाबाद (उ.प्र.)
सम्पर्क : 098372-53305
090128-74922
05612-260096

श्री महावीराय नमः

पुण्य स्मृति

भाव पूर्ण श्रद्धांजलि

स्व. श्री पारस मल जैन
(बड़ौदा कान वाले)

आपका स्नेह, सद्व्यवहार, सेवा भावना एवं प्रेरणादायक चरित्र
हमारा सदैव मार्गदर्शन करता रहेगा।

**हम सभी पारिवारिक जन आपको स्मरण करते हुए
श्रद्धा पूर्वक नमन करते है**

श्रृद्धावनत

पुत्र-पुत्रवधु
पवन जैन (चौधरी)- मधु जैन
मुकेश जैन - शारदा जैन
मनोज जैन - सपना जैन
संजय जैन - भावना जैन

पौत्र-पौत्रवधु
अमित जैन - पायल जैन

पौत्र-पौत्री
अनीष, भव्य, पार्थ
अनुष्का, आषी,
माही, शीया

परस्परोपग्रहो जीवानाम्

धर्मपत्नी
श्रीमती विमला जैन

बहन-बहनोई
श्रीमती मंजु जैन
श्रीमती विद्या जैन - श्री नरेन्द्र जैन

पुत्री-दामाद
श्रीमती सीमा जैन - श्री महेश जैन
(D.D. Jain & Company, Jaipur)

पौत्री-पौत्री दामाद
शिखा - सौरभ
(Jain Toys, Palam, Delhi)

पवन जैन (चौधरी)
मो. 9414020800

प्रतिष्ठान :

- अमित चन्द्रा टेक्सटाइल प्रा. लि.
- नवकार प्राइम डवलपर प्रा. लि.
- नवकार साड़ीज
- नवकार वाटिका, खेरली
- नवकार ट्रेडिंग कम्पनी
- शिखा टेक्सटाइल एजेंसी
- अलवर सॉल्वेक्स
- मै. पवन कुमार जैन

निवास स्थान :- 1/544 काला कुआं, हाउसिंग बोर्ड, अलवर

12वीं पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्रीमती शारदा जी जैन

(9 जून 1939 से - 23 अप्रैल 2009)

आपने, अपने अथक परिश्रम, त्याग, प्रेम एवं धर्मनिष्ठा से जो उच्च आदर्श स्थापित किये हैं, हम उन्हें स्मरण करते हुये श्रद्धापूर्वक नमन करते हैं।

श्रद्धावनत

डॉ. तारा चन्द जैन (पति)

(निवासी : सिकन्दरा, आगरा)

पुत्र-पुत्रवधु :
राजकुमार-रंजना जैन
विजय कुमार

पुत्री-दामाद :
सुनीता-प्रमोद कुमार जैन

देवर :
श्रीपाल, सुभाष चन्द,
अमर कुमार एवं
पवन कुमार जैन

पौत्र-पौत्री :
शिविन, नकुल एवं ऋचा जैन

दोहिते :
कार्तिकेय एवं विनायक जैन

प्रतिष्ठान :

★ पर्ल इण्डिया बिल्ड होम प्रा. लि., जयपुर ★
★ फाईनटेक टवलपर्स प्रा. लि., जयपुर ★

निवास

बी-78/602, पर्ल पैशन, राजेन्द्र मार्ग, बापूनगर, जयपुर।
फोन : 0141-2702947, मो. : 09929769939, 09414054745, 09829010092

With Best Compliments From

Authorised Distributor for

- ★ Johnson & Johnson Ltd.
- ★ SD. BIO SENSOR
- ★ Ortho Clinical Diagnostics
- ★ Lifescan-Division, for one touch Brand Glucometers & Strips.
- ★ Biorad Laboratories
- ★ Alere Medical
- ★ Transasia Biomedical Ltd.
- ★ LILAC Medicare

Sanjay Jain - Rajeev Jain

S.R. Enterprises

223, Bichoon Market, Kishanpole Bazar, Jaipur-302 003
Ph.: (O) 2322089, 2323903 (R) 2546017 • Fax : 0141-4022089
(M) +91-98290 12628, 94140 76265

COVID-19 महामारी के समय में सकारात्मक रहें

- अपने आप पर विश्वास करें
- नियमित रूप से व्यायाम करें
- अपने परिवार और दोस्तों के साथ बात-चीत करते रहें
- अपने दिन को व्यवस्थित करें
- दूसरो को प्रेरित करें
- अत्यधिक जानकारी के साथ खुद को तनावग्रस्त न करें
- जरूरत पड़ने पर मनोवैज्ञानिक चिकित्सक से सलाह लें

याद रहे कि इस महामारी में हम सब एक साथ हैं

पत्रिका विज्ञापन सहयोग राशि

	वार्षिक	मासिक
कवर पृष्ठ अंतिम (मल्टीकलर)	31,000/-	
कवर पृष्ठ द्वितीय (मल्टीकलर)	25,000/-	
कवर पृष्ठ तृतीय (मल्टीकलर)	25,000/-	
कलर पृष्ठ (मल्टीकलर)	21,000/-	2,500/-
पुण्य स्मृति आधा पृष्ठ श्वेत श्याम	10,000/-	1,000/-
पुण्य स्मृति पूरा पृष्ठ श्वेत श्याम	15,000/-	1,500/-

पत्रिका सदस्यता

पत्रिका वार्षिक शुल्क	50/-	5/-
पत्रिका आजीवन सदस्य	500/-	
पत्रिका संरक्षक सदस्य	11,000/-	
पत्रिका हितैशी सदस्य	5100/-	

सूचना

(अ) रु. 500/- से कम के आर्थिक सहयोग राशि वालों के नाम पत्रिका में प्रकाशित नहीं किये जायेंगे।

(ब) जो सदस्य अपनी पत्रिका कोरियर द्वारा प्राप्त करना चाहते हैं वह रु. 50/- प्रति माह के हिसाब से एक वर्ष का शुल्क रु. 600/- श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका को भेजें।

- *पत्रिका हेतु प्रकाशनार्थ सामग्री पत्रिका संयोजक/सम्पादक के पास ही प्रेषित करें, जो प्रत्येक माह की 15 तारीख तक प्राप्त होनी चाहिये।*
- *पत्रिका हेतु सदस्यता शुल्क/विशेष सहायता संयोजक के पास प्रेषित करें।*
- *पत्रिका में स्थान उपलब्ध होने पर ही विज्ञापन का प्रकाशन किया जायेगा।*
- *गत वर्ष के रंगीन विज्ञापनदाताओं की बकाया विज्ञापन सहयोग राशि शीघ्र संयोजक के पास भिजवाने का कष्ट करें।*

आप पत्रिका की भुगतान राशि 'श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका' के नाम से या ऑनलाईन खाते में भी भेज सकते हैं, विवरण निम्न है :-

"SHRI PALLIWAL JAIN PATRIKA"
Bank Name : **BANK OF BARODA** • Branch : **DURGAPURA, JAIPUR**
A/c No.: **38260100005783** • IFSC Code : **BARB0DURJAI**

पत्रिका राशि ऑनलाईन जमा कराने के बाद संयोजक को सूचना देवें एवं ट्रांसफर राशि का स्क्रीन शॉट भी भेजें, इसके अभाव में जमा राशि का समायोजन किया जाना संभव नहीं होगा।

चन्द्रशेखर जैन, संयोजक पत्रिका
मो.: 9829134926

मान्यवर,

सभी साधर्मी बन्धुओं को सुचित किया जाता है कि अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा को विधवा सहायता एवं अन्य सहयोग प्रदान करने हेतु राशि चैक, नकद या ऑनलाईन महासभा के खाते में जमा करवाई जा सकती है, जिसका विवरण निम्न है :-

"AKHIL BHARTIYA PALLIWAL JAIN MAHASABHA"
Bank Name : **STATE BANK OF INDIA** • Branch : **C-SCHEME, JAIPUR**
A/c No.: **51003656062** • IFSC Code : **SBIN0031361**

राशि जमा कराने के पश्चात अर्थमंत्री को अवश्य सूचित करें, जिससे जमा की रसीद प्रेषित की जा सके।

अजीत कुमार जैन, अर्थमंत्री महासभा
मो.: 9413272178

नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि, नैनं दहति पावकः
न चैनं क्लेदयन्त्यापो, न शोषयति मारुतः

30वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धा सुमन

स्व. श्री ताराचन्द जी जैन

ब्यावर

जन्म 04.11.1933 महाप्रयाण 12.04.1991

आपने अथक परिश्रम, त्याग प्रेम एवं धर्मनिष्ठा से जो उच्च आदर्श स्थापित किए हैं,
हम सभी परिवारजन उन्हें स्मरण करते हुए
श्रद्धापूर्वक आपको नमन करते हैं।

श्रद्धावनत

श्रीमती किरण देवी जैन *(धर्मपत्नी)*

पुत्र-पुत्रवधु :
श्रीमती बबीता जैन पत्नी स्व. श्री राजेश जैन
प्रदीप जैन – पिंकी जैन
(कार्यालय सहायक) *(प्रधानाचार्य)*
वाणिज्यिक कर विभाग *रा. विद्यालय*
व समस्त पल्लीवाल परिवार, ब्यावर

पौत्र, पौत्री :
श्वेता जैन-गौरव *(पौत्री-दामाद)*
सुरभि जैन, मनीषा जैन *(पौत्री)*
शुभम जैन, रिषभ जैन *(पौत्र)*

निवास :
9, किरण कुंज, भजन नगर, अजमेर रोड, ब्यावर (अजमेर) 305901
फोन नं. : 9414866607, 9460312001

श्री आदिनाथाय नमः *श्री महावीर स्वामी नमः*

भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्री सुगनचन्द जैन
(रायभा, आगरा)
पुण्य तिथि : 13.03.2005

स्व. श्रीमती शान्ती देवी जैन
पुण्य तिथि : 15.02.2013

हम सभी परिवारजन आपको स्मरण करते हुए श्रद्धापूर्वक नमन करते हैं एवं हम अपने जीवन में आपके दर्शाये गये ज्ञान के मार्ग पर चलते हुये निरन्तर प्रगति की ओर अग्रसर रहेंगे।

श्रद्धावनत

पुत्री–दामाद :
सुधा–पदम चन्द जैन,
सुनीता–दिनेश चन्द जैन

पौत्री–दामाद :
रेनू–प्रशान्त जैन,
वन्दना–पंकज जैन

पौत्र, पौत्री :
मयंक जैन, सौरभ जैन, सुरभि जैन

प्रपौत्र :
आरूष जैन, अरनव जैन,
जयम जैन, संयम जैन

प्रपौत्री :
दक्षिता जैन, टीया जैन, लवी जैन

पुत्र–पुत्रवधू :
पवन कुमार–पुष्पा जैन, आगरा
अशोक कुमार–गीता जैन, कोटा
स्व. राजेश कुमार–कुमकुम जैन, आगरा
योगेश कुमार–मीना जैन, आगरा

पौत्र–पौत्रवधू :
पंकज–प्रीति जैन,
अनुज–दीपशिखा जैन,
प्रिन्स–गरिमा जैन,
पीयुष–मोहनी जैन,
गौरव–वैशाली जैन

फर्म :
अरिहंत इन्डस्ट्रीज, कोटा (राज.)
गौरव फर्टिलाइजर्स, रायभा (आगरा)

निवास :
15 कलाकुँज, बोदला, आगरा–282010, मो.: 7520195445

(CR D-2473)

एक प्रेरणादायक एवं शिक्षाप्रद कहानी

सकारात्मक सोच - सकारात्मक परिणाम

पुराने समय की बात है, एक गाँव में दो किसान रहते थे। दोनों ही बहुत गरीब थे, दोनों के पास थोड़ी–थोड़ी ज़मीन थी, दोनों उसमें ही मेहनत करके अपना और अपने परिवार का गुजारा चलाते थे।

अकस्मात कुछ समय पश्चात दोनों की एक ही दिन एक ही समय पर मृत्यु हो गयी। यमराज दोनों को एक साथ भगवान के पास ले गए। उन दोनों को भगवान के पास लाया गया। भगवान ने उन्हें देख के उनसे पूछा, 'अब तुम्हें क्या चाहिये, तुम्हारे इस जीवन में क्या कमी थी, अब तुम्हें क्या बना कर मैं पुनः संसार में भेजूं।'

भगवान की बात सुनकर उनमें से एक किसान बड़े गुस्से से बोला, 'हे भगवान! आपने इस जन्म में मुझे बहुत घटिया ज़िन्दगी दी थी। आपने कुछ भी नहीं दिया था मुझे। पूरी ज़िन्दगी मैंने बैल की तरह खेतो में काम किया है, जो कुछ भी कमाया वह बस पेट भरने में लगा दिया, ना ही मैं कभी अच्छे कपड़े पहन पाया और ना ही कभी अपने परिवार को अच्छा खाना खिला पाया। जो भी पैसे कमाता था, कोई आकर के मुझसे लेकर चला जाता था और मेरे हाथ में कुछ भी नहीं आया। देखो कैसी जानवरों जैसी ज़िन्दगी जी है मैंने।'

उसकी बात सुनकर भगवान कुछ समय मौन रहे और पुनः उस किसान से पूछा, 'तो अब क्या चाहते हो तुम, इस जन्म में मैं तुम्हें क्या बनाऊँ।'

भगवान का प्रश्न सुनकर वह किसान पुनः बोला, 'भगवन आप कुछ ऐसा कर दीजिये, कि मुझे कभी किसी को कुछ भी देना ना पड़े। मुझे तो केवल चारों तरफ से पैसा ही पैसा मिले।'

अपनी बात कहकर वह किसान चुप हो गया। भगवान ने उसकी बात सुनी और कहा, 'तथास्तु, तुम अब जा सकते हो मैं तुम्हे ऐसा ही जीवन दूँगा जैसा तुमने मुझसे माँगा है।'

उसके जाने पर भगवान ने पुनः दूसरे किसान से पूछा, 'तुम बताओ तुम्हें क्या बनना है, तुम्हारे जीवन में क्या कमी थी, तुम क्या चाहते हो ?'

उस किसान ने भगवान के सामने हाथ जोड़ते हुए कहा, 'हे भगवन। आपने मुझे सब कुछ दिया, मैं आपसे क्या मांगू। आपने मुझे एक अच्छा परिवार दिया, मुझे कुछ जमीन दी जिस पर मेहनत से काम करके मैंने अपने परिवार को एक अच्छा जीवन दिया। खाने के लिए आपने मुझे और मेरे परिवार को भरपेट खाना दिया। मैं और मेरा परिवार कभी भूखे पेट नहीं सोया। बस एक ही कमी थी मेरे जीवन में, जिसका मुझे अपनी पूरी ज़िन्दगी अफ़सोस रहा और आज भी हैं। मेरे दरवाजे पर कभी कुछ भूखे और प्यासे लोग आते थे, भोजन माँगने के लिए, परन्तु कभी–कभी मैं भोजन न होने के कारण उन्हें खाना नहीं दे पाता था, और वो मेरे द्वार से भूखे ही लौट जाते थे। ऐसा कहकर वह चुप हो गया।'

भगवान ने उसकी बात सुनकर उससे पूछा, 'तो अब क्या चाहते हो तुम, इस जन्म में मैं तुम्हें क्या बनाऊँ।'

किसान भगवान से हाथ जोड़ते हुए विनती की, 'हे प्रभु! आप कुछ ऐसा कर दो कि मेरे द्वार से कभी कोई भूखा प्यासा ना जाये।'

भगवान ने कहा, 'तथास्तु, तुम जाओ तुम्हारे द्वार से कभी कोई भूखा प्यासा नहीं जायेगा।'

अब दोनों का पुनः उसी गाँव में एक साथ जन्म हुआ। दोनों बड़े हुए।

पहला व्यक्ति जिसने भगवान से कहा था, कि उसे चारों तरफ से केवल धन मिले और मुझे कभी किसी को कुछ देना ना पड़े, वह व्यक्ति उस गाँव का सबसे बड़ा भिखारी बना। अब उसे किसी को कुछ देना नहीं पड़ता था, और जो कोई भी आता उसकी झोली में पैसे डालके ही जाता था।

और दूसरा व्यक्ति जिसने भगवान से कहा था कि उसे कुछ नहीं चाहिए, केवल इतना हो जाये की उसके द्वार से कभी कोई भूखा प्यासा ना जाये, वह उस गाँव का सबसे अमीर आदमी बना।

हर बात के दो पहलू होते हैं
सकारात्मक और नकारात्मक,

अब ये आपकी सोच पर निर्भर करता है कि आप चीज़ों को नकारत्मक रूप से देखते हैं या सकारात्मक रूप से। अच्छा जीवन जीना है तो अपनी सोच को अच्छा बनाइये, चीज़ों में कमियाँ मत निकालिये बल्कि जो भगवान ने दिया है उसका आनंद लीजिये और हमेशा दूसरों के प्रति सेवा का भाव रखिये।

TRAFO
Power & Electricals Pvt. Ltd.
TRAFO POWER & ELECTRICALS PVT. LTD.
AN ISO 9001:2008 COMPANY
PRODUCTS
-POWER & DISTRIBUTION TRANSFORMERS
-PRESSED STEEL RADIATORS
-SPECIAL PURPOSE TRANSFORMERS
-PACKAGE SUBSTATION
CONTACT
Trafo Power & Electricals Pvt. Ltd.
C-20 Site-C U.P.S.I.D.C., Industrial Area, Sikandra,
Agra, Uttar Pradesh - 282007, India
Phone No : +91-562-3290391
Fax : +91-562-2640388
E-mail : info@trafo.co.in

In Loving Memory of

Late Sh. Shyamlal Ji Jain & Late Smt. Jaidevi Ji Jain

Raj Kumar Jain - Sushila Jain
(Son & Daughter in Law)

Vikas Jain - Babita Jain
Vipin Jain - Ritu Jain
(Grand Son & Grand Daughter in Law)

JAPAN KARATE-DO NOBUKAWA-HA SHITO-RYU KAI INDIA

UNIT-RAJASTHAN

LEARN

KARATE CLASSES

1. Self Defence Course.
2. Black-Belt Training Programme.
3. Yoga Training For Karate Students.
4. Organise District, State, National, International Championships & Training Programme.

FRENCH CLASSES

1. Prepare For Basic French Language.
2. Prepare For Delf Exam. (Conduct by Allaince De Français)

CONTACT :

Vipin Jain
3rd Dan Black Belt
Chief Karate Instructor of Rajasthan & West India Coordinator
9829180895
www.karatedorajasthan.com

Firm :

Jain Packing Materials

(Traders of Packing Materials & Machines)
46, Royal Complex, Medical Market, Near Railway Station, Ajmer (Raj.)
Residential Address :
464, "Shyam Sadan", Near Palliwal Digamber Jain Temple, Pal Bichla, Ajmer

!! श्री नेमीनाथाय नमः !!

भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्री ज्ञानचन्द जी जैन
(पुण्य तिथि : 19.04.1995)

स्व. श्रीमती किरन देवी जी जैन
(पुण्य तिथि : 10.11.1978)

हम सभी परिवारीजन आपको श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए अंतर हृदय से स्मरण करते हुए आपके बताये मार्ग पर चलते रहने का संकल्प करते हैं।

श्रद्धावनत

पुत्र-पुत्रवधु :
विमल-ऊषा जैन
मोहन-निर्मला जैन
भागचन्द-प्रभा जैन
सुशील-मंजू जैन

पौत्र-पौत्रवधु :
सुनीत-अलका जैन
तरूण-चारु जैन
कपिल-ज्योति जैन
नीरज-प्रीति जैन
धीरज-रीतू जैन
अमित-शुभानी जैन
सोनू-भारती जैन
मुकेश-भावना जैन
मोहित-पूजा जैन
आकाश जैन

भाई-वधु :
श्रीमती बिमला जैन

पुत्री-दामाद :
करुणलता जैन
सुनीता-संतोष जैन
रेखा-प्रभात जैन

पौत्री-पौत्रीदामाद :
अर्चना-दीपक जैन
अंजना-राजेश जैन
रीना-विवेक जैन
निशा-सचिन जैन
शालिनी-हितेश जैन

प्रपौत्र, प्रपौत्री :
आकांक्षा, ईशा, अमन, मयंक, साक्षी, ध्रुव, मुदित, अविशी, कृष, आदित्य, सम्यक, मनु, रितिका, मुस्कान, सिद्धार्थ, दृव्य, सिद्धि, अनाया, चिराग, आरूष

निवास :
गाँव व पोस्ट रुनकता, जिला आगरा-282007
मो.: 9675430656, 8534008710, 9627994499, 9359151316, 8193057137

पंचम पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्रीमती कमला देवी जी जैन

स्वतंत्रता सेनानी (अलवर निवासी)

(24 मई 1926 - 21 अप्रैल 2016)

आपने, अपने अथक परिश्रम, त्याग, प्रेम एवं धर्मनिष्ठा से जो उच्च आदर्श स्थापित किये हैं, हम उन्हें स्मरण करते हुये श्रद्धापूर्वक नमन करते हैं।

श्रद्धावनत

पुत्री-दामाद :
राजकुमारी-शांति प्रसाद

दोहित्र-दोहित्र बहु :
विनय रंजन-राजश्री,
भुवनेश-सीमा

पड़पौत्र-पड़पौत्र बहू :
अर्पित-सुरभि
रिधान
एवं समस्त जैन परिवार

दोहित्री-दोहित्री दामाद :
अर्चना-प्रमोद,
संगीता-चंद्रशेखर,
प्रीति-प्रवीण

निवास

सी-7/जी 02, एम.डी. ग्रीन हाउस, रोड नं. 1, जमुना नगर, जयपुर
फोन : 0141-2222510, 9413383186, 9829066684

भावभीनी श्रद्धांजलि

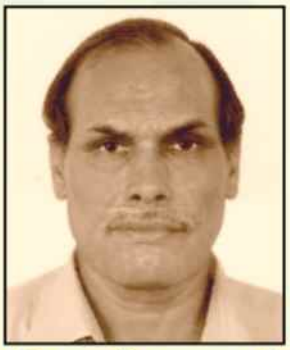

स्व. श्री महावीर प्रसाद जी जैन

(सुपुत्र स्व. श्री हरीशचन्द्र जी जैन)

(पुण्यतिथि : 21.5.2017)

स्व. ई. श्री मोहित कुमार जी जैन

(सुपुत्र स्व. श्री महावीर प्रसाद जी जैन)

(पुण्यतिथि : 9.8.2018)

हम आपको सादर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए
भगवान वीर से आपकी चिर आत्मीय शांति की प्रार्थना करते हैं।

श्रद्धावनत

श्रीमती मिथलेश जैन
(धर्मपत्नी)
डॉ. मेघा जैन-डॉ. पीयूष जैन
(पुत्री-दामाद)

श्रीमती मिथलेश जैन
(माँ)
डॉ. मेघा जैन-डॉ. पीयूष जैन
(बहन-बहनोई)

मोहित कुमार जैन ट्रस्ट (पंजि.)

ए/165, पालम एक्सटेंशन, सेक्टर 7, द्वारका, नई दिल्ली-110077
दूरभाष : 9599660709, 9599230509

वैवाहिकी

सूचना

1. पत्रिका में प्रकाशित वर/वधू की तलाश के अंतर्गत विवरण की सत्यता से सम्पादक अथवा पत्रिका का किसी भी प्रकार का दायित्व नहीं हैं। वर/वधू दोनों पक्ष पूर्ण जानकारी अपने स्तर से करने के बाद ही संबंध स्थापित करें।
2. पात्रों के विवरण में आयु के स्थान पर जन्मतिथि तथा आय चार/पांच अंको में, के स्थान पर वास्तविक आय लिखें।

नोट : प्रकाशन योग्य सामग्री एवं संबंध होने की सूचना पत्रिका संयोजक को प्रषित करें जिससे आगामी अंक में विज्ञापन का प्रकाशन किया जाये या न किया जाये।

वर की तलाश

★ **हैप्पी जैन** पुत्र श्री नरेश कुमार जैन (कजानीपुर वाले), जन्मतिथि 09.07. 1995 (सायं 12:10, बयाना), शिक्षा– एम.कॉम., जॉब– अकाउन्टेंट, जयपुर, गोत्र : स्वयं– राजौरिया, मामा– नगेसुरिया, संपर्क : सुभाष चौक, वामड़ा कॉलोनी, बयाना, भरतपुर, मो.: 9636573015, 9950978913 *(अप्रेल)*

★ **Preetil Jain** D/o Sh. Sunit Jain, DoB 10.08.1989 (at 11:45 pm, Karauli), Height 5'-6", Education- M.A., M.Ed., Occupation- Central Government Teacher at Navodaya Vidyalaya, Gotra : Self- Chaurbamar, Mama- Rajoriya, Contact : 101B/106, Patel Marg, Mansarovar, Jaipur, Mob.: 9413182141, 8005568168 *(Feb.)*

★ **Surbhi Jain** D/o Sh. J.K. Jain, DoB 23.9.1993 (at 7:55 am, Gangapur City), Height 5Ft., Education- MBA (XIME Bangalore), B.Tech (RCEW Jaipur), Occupation- Senior Associate, HR Mindtree Limited, Bangalore, Gotra : Self- Rajoriya, Mama- Choudhary, Contact : E1/325 Chitrakoot, Gandhi Path, Jaipur-302021, Mob.: 9887734133, 8769421338 *(Feb.)*

★ **Megha Jain** D/o Sh. Sunil Kumar Jain, DoB 02.04.1996 (at 2:20 pm, Beawar), Height 5'-3", Education- B.Tech (CS), Contact : Sunil Kumar Jain, Saras Dugdh Dairy, Raniwara, Dist. Jalore, Mob.: 9460960622, 9001831835 *(Feb.)*

★ **Amisha Jain** (Manglik) D/o Sh. Kamal Kumar Jain, DoB 10.07.1997 (at 1:56 pm), Height 5.3 feet, Education- B.Com, MBA, Job- HDFC Mutual Fund, Gotra : Self- Thakuriya, Mama- Chodha parivaar, Contact : 103, Chhotti Chhapeti, Firozabad-283203, Mob.: 7351568144, 7830641569 *(Feb.)*

★ **Arpita Jain** D/o Sh. Gopal Jain, DoB 25.06.1991 (at 10:35 am Jaipur), Fair Complexion, Height 5'-2", Education- M.Sc. Chemistry MNIT College Jaipur & B.Ed, Working as Self Employed Teaching Running Coaching Classes, Gotra : Self- Bhamariya, Mama- Bharkolia, Contact : 432, Rajni Vihar, Ajmer Road, Jaipur-302024, Ph.: 0141-2354378, Mob.: 9413042927, 9460474389 *(Feb.)*

★ **Yukta Jain** (Manglik) D/o Sh. Satyendra Kumar Jain, DoB 16.11.1993 (at 9:35 AM, Agra), Height- 5Ft., Education- M.Com., B.Ed., Profession- Teacher, Gotra : Self- Chaurbambar, Mama- Kotiya, Contact : 9, Vishv Karma Vatika, Shahganj Road, Bodla, Agra-282007, Mob.: 7520615933, 9410857876 *(Feb.)*

★ **Shivangi Jain** D/o Late Sh. Pawan Kumar Jain (Harsana Wale), DoB 26.10.1992, Height- 5'-1", Education- M.Com., Working as LDC in Collectorate, Alwar, Gotra : Self- Choudhary, Mama- Januthariya, Contact : 7976528154, 9468927774 *(Feb.)*

★ **Rashi Jain** D/o Sh. Anil Kumar Jain Baroliya, DoB 14.1.1996 (at 7:38 pm, Agra), Height- 5'-3", Education- B.Arch, Gotra : Self- Baroliya, Mama- Chaurbambar, Contact : B-677, Kamla Nagar, Agra, Mob.: 7060066267, 9627136267 *(Feb.)*

★ **Vidushi Jain** D/o Sh. Omkar Prasad Jain, DoB 16.11.1991, Height- 5'-2", Education- MA, M.Phill, NET-JRF, Pursuing PhD (in History of Jainism from Delhi University), Gotra : Self- Ghati, Mama- Sangesuriya, Contact : RZG-591, Raj Nagar Part 2, Palam Colony, New Delhi-110077, Mob.: 9911219772, 9871367663, Email : omkarjain137@yahoo.in *(Feb.)*

★ **Karishma Jain** D/o Sh. Hemraj Jain, DoB 09.07.1994 (at Kherli), Height- 5'-2", Education- B.A. (D.U.), M.A ., Gotra : Self- Choudhary, Mama- Nangaswariya, Contact : K-19/231, Ratiya Marg, Sangam vihar, New Delhi, Delhi-110062, Mob.: 9873197440 *(Feb.)*

★ **Alka Jain** D/o Sh. Ravi Prakash Jain, DoB 02.12.1989 (at 12:35pm, Ajmer), Education- M.Com, Gotra : Agariya, Contact : 4, Danmal Mathur Colony, Gulabbadi, Ajmer, Mob.: 9269289003, 7568688111 *(Feb.)*

★ **Deeksha Jain** (Anshik Manglik) D/o Sh. Rakesh Kumar Jain, DoB 07.08.1993 (at 10:15 am, Agra), Height- 5'-4", Education- B.Com., M.B.A., Job- Analyst in E.Y. Noida, Income- 5 LPa, Gotra : Self- Badaria, Mama- Chorbambar, Contact : 325, Jaipur House, Agra-02, Mob.: 9997039641, Ph.: 0562-4031148 *(March)*

★ **Dr. Aditi Jain** D/o Sh. Ashok Kumar Jain, DoB 25.04.1993 (at 7:40 PM, Alwar), Fair Complexion, Education- Bachelor of Dentistry (BDS), ESIC, Job- HOD Biology (NEET) at Progessive Minds, Delhi, Gotra : Self- Rajeshwari, Mama- Badwasia, Contact : B-437, Sainik Colony, Sector 49, Faridabad, Mob.: 9811031037, 9310031037 *(March)*

★ **Priyanka Jain** D/o Sh. Jagdish Prasad Jain, DoB 29.05.1991 (at 4:35 pm), Height 5'-5", Education- B.Tech (C.S), Occupation- Software Developer in Fiserv Noida, Income- 20.3 LPA, Gotra : Self- Chourbambar, Mama-Salavadiya, Contact : 403, Patrkar Colony, Near Manasarover, Jaipur, Mob.: 8302518811, 7976466712 *(March)*

★ **Nikita Jain** D/o Sh. Vijay Kumar Jain, DoB 13.11.1995 (at 03:23 pm, Faridabad), Height- 5'-5", Education- B.Com (Honors) From University of Delhi, Occupation- Working as Sales Officer With Apply Board India Pvt. Ltd. (Gurgaon), Salary 5 LPA, Contact : Faridabad, Gotra : Self- Barolia, Mama- Thakur, Mob.: 9818458389, 9873171878 *(March)*

★ **Priyanka Vora** D/o Sh. Rajinder Kumar Vora, DoB 04.12.1991, Height- 4'-9", Fair Complexion, Educational- Graduated in Bachelors in Computer Applications, Occupation- Works for the Government of India, Ministry of Communications, Gotra : Self- Vora, Mama- Chaur-bambaar, Contact : Block-H, Pocket-3, House No. 79, Sector-16, Rohini New Delhi, Mob.: 9654718697, 9268044107 *(March)*

★ **Soumya Jain** D/o Sh. Sunil Kumar Jain, DoB 01.09.1993 (at 5:27 am, Alwar), Height- 5'-3", Fair Color, Education- M.Com (A.B.S.T.), B. Ed., Gotra : Self- Chorbambar, Mama- Maimuda, Contact : 526, Lajpat Nagar, Scheme No.2, Alwar-301001, Mob.: 8005710768, 9461192798 *(March)*

★ **Neha Jain** D/o Sh. Mohitash Jain, DoB 03.01.2000 (at 12:25 pm, Agra), Height- 5'-3", Fair Complexion, Education M.Sc. (Previous), CCC (Computer Course), Gotra : Self- Kher, Mama- Janutharia, Contact : Sector 7, 537, Avas Vikas Colony, Bodla, Agra, Mob.: 9837314626, 9358980224, 9368728827 *(March)*

★ **Ruchi Jain** D/o Sh. Surendra Kumar Jain, DoB 01.12.1994 (at 04:13 am, Ahmedabad), Height- 165cm, Education B.E. in Power Electronics, Working as a Probationary Officer at Union Bank of India (PSB), Gotra : Self- Kherastiya, Mama- Athvarsiya, Contact : 7359281129, 9574308828, Email : surendrajain6064@gmail.com *(March)*

★ **Ena Jain** D/o Late Sh. Umesh Chand Jain, G.D./o Sh. Kastoor Chand Jain (Nangal Sahadi wale, Alwar), DoB 15.04.1995 (at 12:10 am, Abu Road), Height- 5'-6", Education B.Tech Jaipur, Job- Software Engineer Eurofins IT Solutions, Banglore, Gotra : Self- Lohkarodiya, Mama- Kotia, Contact : P.C. Jain, Opp. Mahavir Talkeej, 15, Mahavir Colony, Abu Road, Sirohi, Mob.: 7014562276, 8003893899, 9461633255, Email : prakash.chand.jain2@ sbi.co.in *(March)*

★ **Amisha Jain** D/o Sh. Ajay Kumar Jain, DoB 31.12.1995 (at 6:15 pm Agra), Height- 5'-2", Education- MBA (Finance) from DEI, Agra, Occupation- Working as Deputy Manager in Bank of Maharashtra (Govt.) Mumbai, Gotra : Self- Baroliya, Mama- Behteriya, Contact : 2, Mahendra Enclave, Nehru Nagar, Agra, Mob.: 9412158607 *(April)*

★ **Aruna Jain** D/o Sh. Dalchand Jain, DoB 23.5.1990, Height- 5feet, Education- B.Sc., Polytechnic, Job- J.En. RIICO Bharatpur, Gotra : Self- Chaudary, Mama- Barbasia, Contact : E-120, Ranjeet Nagar, Bharatpur, Mob.: 9929696969, 05644236422, 9828188470 *(April)*

★ **Khyati Jain** (Manglik) D/o Sh. Pramod Kumar Jain, DoB 10.02.1994, (at 7:05 am, Agra), Height- 5'-2", Education- BSc., Diploma in Urban Planning, D.EL.ED (BTC), Prabhakar in Classical Singing, Gotra : Chorbambar, Contact : Mughal road, Kamla Nagar, Agra, Mob.: 9411684569 *(April)*

★ **Shruti Jain** D/o Sh. Pankaj Jain, DoB 16.09.1995 (at 9:35 AM, Agra), Height- 5'-1", Education- MBA, Occupation- (HR) Hiyamee Pvt Ltd., Noida, Gotra : Self- Rajoriya, Mama- Salavadia, Contact : M/s. Pankaj Industries, Flat No. 305, IIIrd Floor, Aashirwad Residency, New Vijay Nagar Colony, Agra -282004, Mob.: 9319795225, 9258547100, Email : karanj580@gmail.com *(April)*

★ **Namita Jain** D/o Sh. Naresh Jain, DoB 09.07.1995 (at 12:10 PM), Height- 5'-4", Education- M.Com., Profession- Accountant, Gotra : Self- Rajoriya, Mama- Nangeswariya, Contact : Subhash Chowk, Bamda Colony, Bayana, Bharatpur, Mob.: 9636573015, 9950978913 *(April)*

वधू की तलाश

कृपया दहेज लोभी पत्रिका में प्रकाशनार्थ विज्ञापन न भेजें

★ **अंकित जैन** पुत्र श्री जवाहर लाल जैन, जन्मतिथि 22.11.1989 (प्रातः 8:32), कद– 5'–1'', शिक्षा– एमबीए, जॉब– एमिटी यूनिवर्सिटी मानेसर गुड़गांव, गोत्र : स्वयं– चांदपुरिया (पल्लीवाल), मामा– खाली ढगिया, संपर्क : जगन विहार कॉलोनी, अछनेरा, आगरा, मो.:

9837316219, 7042064199 *(फरवरी)*

★ **सत्यम जैन** पुत्र श्री भोलाराम जैन पंसारी, जन्मतिथि 8.7.1993 (प्रातः 1:42), कद– 5'–5'', शिक्षा– एमबीए, मार्केटिंग, व्यवसाय– अरिहंत फार्मा, होलसेल एवं रिटेल मेडिकल स्टोर, भोपाल, आय– 15 लाख वार्षिक, गोत्र : स्वयं– नगेसुरिया, मामा– डंगया, संपर्क : भोला पंसारी, जौरा, जिला मुरैना, मो.: 9425757414, 9893359596 *(फरवरी)*

★ **गौरव जैन** पुत्र स्व. श्री सुरेश चन्द जैन, उम्र 27 वर्ष, कद– 5'–7'', शिक्षा– बी.ए., व्यवसाय– स्वयं का जनरल स्टोर, आटा चक्की, खेती, आय– लगभग 4 लाख वार्षिक, गोत्र : स्वयं– चोरबम्बार, संपर्क : 7697239254 *(मार्च)*

★ **रिषभ जैन** पुत्र श्री प्रदीप कुमार जैन, जन्मतिथि 13.5.1995 (प्रातः 6 बजे), कद– 5'–6'', शिक्षा– पी.जी.डी.एम.बी.ए. फाइनेन्स, कार्यरत– रिजनल क्रेडिट हेड– आई.डी.एफ.सी. बैंक, जयपुर, गोत्र : स्वयं– जनुथरिया, मामा– चौरबम्बार, संपर्क : 9, भजन नगर, अजमेर रोड, ब्यावर, अजमेर, मो.: 9460312001, 9414866607, ईमेल : pinki586@gmail.com *(मार्च)*

★ **मोहित जैन** पुत्र श्री नरेंद्र कुमार जैन, जन्मतिथि 16.12.1992 (प्रातः 07.40, रावतभाटा, कोटा), कद 5'–8'', शिक्षा बी.टेक., एमबीए (फाइनेन्स), कार्यरत– जेनपैक्ट जयपुर, पैकेज 6 लाख वार्षिक, गोत्र : स्वयं– आमेश्वरी, मामा– माईमुण्डा, सम्पर्क : 9352243036, 9414668603 *(अप्रेल)*

★ **अमन जैन** पुत्र श्री अजीत कुमार जैन, जन्मतिथि 31.05.1994, कद– 5'–6'', शिक्षा– बी.टेक, कार्यरत– बैंक ऑफ बड़ौदा पी.ओ. (दिल्ली), गोत्र : स्वयं– बहत्तरिया, मामा– जनुथरिया, संपर्क : जैन मंदिर के पास, वर्धमान नगर, हिंडौन सिटी, जिला करौली, मो.: 9413182980, 8619432566 *(अप्रेल)*

★ **शुभम जैन** पुत्र श्री प्रवीण कुमार जैन (दिवर्या), जन्मतिथि 01.02.1993 (रात्रि 10:50, जयपुर), कद– 5'–5'', शिक्षा– बी.टेक (कम्प्युटर साईंस), व्यवसाय– आई.पी. इन्फो, यू.एस.ए. में इंजिनियर (पूणे में कार्यरत), आय– 32 लाख वार्षिक, गोत्र : स्वयं– दिवर्या, मामा– चौधरी, संपर्क : 255–ए, अमृत नगर, इस्कॉन रोड, जयपुर, मो.: 9785010028, 797688221 *(अप्रेल)*

★ **Himanchal Jain** S/o Sh. M.L. Jain, DoB- 14.06.1994, Height 5'-7", Education- B.Tech. The LNMIIT Jaipur, Occupation- Data Engineer at Amazon, Gurgaon, Contact : 22, Olive Homes, Mansarovar Extension, Jaipur, Mob.: 9340940882, 9694943663 *(Feb.)*

★ **Ajit Jain**, S/o Late Sh. Vinod Kumar Jain, DoB 27.06.1990 (at 3:55 PM, Bharatpur), Height- 5'-10", Education- B.Tech (VIT Vellore), Presently Working as Assistant Manager in Canara Bank, Bayana, Gotra : Self- Chourbambar, Mama- Borandangya, Contact : • Smt. Pushpa Jain, Bharatpur (M) 9785122157, • Ashwani Jain, Bharatpur (M) 6350427579 *(Feb.)*

★ **Nivesh Jain** S/o Sh. Ashok Jain, DoB 07.08.1995, Height 5'-6", Working in Punjab National Bank at Tizara, Gotra : Self- Ambia, Mama- Mittal, Contact : 1/225, Kala Kua Housing Board, Alwar, Mob.: 9413739054, 9950087666, 9413455347 *(Feb.)*

★ **CA Akhlesh Jain**, DoB 26.09.1989, Chartered Accountant, Gotra : Self- Aameshwariya, Mama- Chorbhamar, Working in Airports Authority of India (PSU under Central Govt.) present posting at Surat Airport (Gujarat), CTC <14 Lakhs, Contact : 1-D, Ram Vihar, Near Subodh Public School, Sanganer, Jaipur, Mob.: 8619357171, 9461210084 *(Feb.)*

★ **Abhay Jain** (Manglik) S/o Sh. Prakash Chandra Jain, DoB 20.11.1993 (at 7:25 am), Height 5'-11", Education- B.Tech (Electronics & Communication) (Hons), Gotra : Self- Chorbhamar, Mama- Behtariya, Working in KPMG, Bangalore as Data Scientist, CTC 9 Lakhs, Contact : Address : Meera Kunj, Mandawara Road, Jain Colony, Hindaun City, Mob.: 9024320476, 9667810819 *(Feb.)*

★ **Neeraj Jain** S/o Sh. Ashok Kumar Jain, DoB 04.04.1992 (at 7 am, Agra), Height- 5'-5", Education- MBA, Job- HDFC Bank (Cashier) Mayur Vihar, Delhi, Packege 6 LPA, Gotra : Self- Corambar, Mama- Kasmiriya, Contact : 13/252, Nunhai, Near Jain Temple, Rambagh, Agra, Mob.: 844592249, 8273200865 *(Feb.)*

★ **Anubhav Jain** S/o Arvind Kumar Jain, DoB 08.09.1992 (at 10:45 PM, Alwar), Height 5'-7", Education- B.Tech, M.Tech, ICT Jaipur, Occupation- Senior Analytics, Boston Consulting Group Gurugram, Package- 18.5 LPA, Gotra : Self- Janthuriya, Mama-Sagarwasiya, Contact : Arvind Kumar Jain, D-72, H.M.M Nagar, Alwar, Mob.: 9414367288 *(Feb.)*

★ **Divesh Jain** S/o Sh. Gian Chand Jain, DoB- 29.06.1994 (at 6:15 PM), Height 5'-3", Education- Post Graduate (MCA) IGNOU, Occupation- Senior IT Engineer at Taj Hotels Delhi, Gotra : Mimunda, Contact : RZE-58, Raj Nagar Part-2, Dada Dev Road Palam, New Delhi-110077, Mob.: 9891394006, 9718869534 *(Feb.)*

★ **Raunak Jain** S/o Sh. R. K. Jain, DoB 21.01.1991 (at 7:33 AM), Height 5'-8", Education- B.Tech in Computer Science, Occupation- Team Lead in Accenture Pune, Gotra : Self- Dhati, Mama- Goyal

Agrawal, Contact : 3B8, C.H.B. Jodhpur (Raj.), Mob.: 9828384341, 9587683776 (Whatsapp), Email : jainraunak21@gmail.com *(Feb.)*

★ **Vishal Jain** S/o Sh. Suresh Chand Jain, DoB 03.09.1991 (at 1:30 AM, Delhi), Height 5'-7", Education- MBA, M.Com, Occupation- Finance Analyst in Safexpress Pvt. Ltd., Gotra : Self- Aameshwari, Mama- Mai Munda, Package 3 LPA, Contact : WZ-1194, Palam, Near Dwarka-Sect. 7, New Delhi-110045, Mob.: 9810512673 *(Feb.)*

★ **Rahul Jain** S/o Sh. Vijay Kumar Jain, DoB 27.08.1994 (at 9:30 PM), Height- 5'-7", Education- B.Com., MBA, Working in Axix Bank Ltd. Sanjay Place, Agra for the Post of Gold Loan Officer, Package 3.60 LPA, Gotra : Self- Bhadarwasia, Mama- Gindora Bux, Contact : 43/223, Near Jain Mandir, Jain Gali, Sikandra, Agra-282007, Mob.: 9897303171, Email : abhajain2018@gmail.com *(Feb.)*

★ **Rahul Jain** S/o Sh. Sheel Chand Jain, DoB 19.08.1990 (at 05:00 pm), Height 5'-9", Educational- M.Com from IGNOU, Working in Magic Auto Pvt Ltd. (Maruti Authorised Dealership) As a Team Manager, Salary Package- 5.25 LPA, Gotra : Self- Mundare, Mama- Ved Varashtak, Contact : RZG-98B Ist Floor Gali no.6, Near Shyam Mandir Rajnagar Part-II, Palam Colony New Delhi-110077, Mob.: 9718967990, 9911218537, Email : rrjain619@gmail.com *(Feb.)*

★ **Amit Kumar Jain (Bhupender)** S/o Sh. Girish Chand Jain, DoB 08.03.1988 (at 02:05 pm, Agra), Height 5'-4", Educational- B.Com, Occupation- Business, Income 3 LPA, Gotra : Self- Danduriya, Mama- Barwasia, Contact : 1320, LIG, Sector 7, Avas Vikas Colony, Bodla, Agra-282007, Mob.: 8410820442, 9897232561 *(Feb.)*

★ **Dushyant Jain** S/o Late Sh. Dharm Chand Jain, DoB 12.06.1985 (at 04:45 am), Height 5'-3", Educational- 12th, Occupation- Working in Event and Management Company at Mumbai, Gotra : Januthariya, Contact : 13, Vivek Vihar, Opp. Jain Bhawan, Sch. No. 10, Alwar, Mob.: 9929555451, 9649600786 *(Feb.)*

★ **Yash Kumar Jain** S/o Sh. Satyendra Kumar Jain, DoB 21.09.1993, Height 5'-8", Educational- M.Com., Occupation- Working as an Assistant Team Leader in Delhi-very Pvt. Ltd. at Jaipur, Gotra : Self- Badhwasiya, Mama- Singhai, Contact : Flat No. G1, Plot No. F, Vinayak Vihar, Ganpatpura, Mansarovar, Jaipur, Mob.: 9460418004, 9413147737 *(Feb.)*

★ **Ankit Jain** S/o Sh. Ashok Jain, DoB 02.04.1987 (at 8:45 AM, Jaipur), Education- B.Com, LLB, Preparing for RJS, Self Employed- Owner (Shreeman Dairy & Stud Farm), Gotra : Vairashtak, Contact : R-3, Tilak Marg, Ashok Nagar (Near C.B.I. Office), C-Scheme, Jaipur, Mob.: 9461686439, 97729 88857 (Anant Jain) *(Feb.)*

★ **Chirag Jain** (Aanshik Manglik) S/o Sh. Bharat Bhushan Jain, DoB 08.06.1988 (at 11:30 PM, Bharatpur), Height 5'-11", Education- MCA, Service- Knack Global Pvt. Ltd. Sitapura, Jaipur as a Network Administrator, Gotra : Self- Mudha, Mama-Chourbambar, Contact : 121-122, Pashupati Nath Nagar, Pratap Nagar, Jaipur, Mob.: 9828234847 *(Feb.)*

★ **Sudhir Jain** S/o Sh. Sumer Chand Jain, DoB- 17.03.1988 (at Alwar), Height- 5'-11", Education- M. Com, MBA, LLB, Occupation- Working in NBC Bearings, Jaipur (C. K. Birla Group), Gotra : Self- Sangarwasiya, Mama- Chaudhary, Contact : 213, Vivek Vihar, Scheme No. 10A, Dist. Alwar-301001, Mob.: 9982154002 *(Feb.)*

★ **Ravi Jain** S/o Sh. Sheetal Chand Jain, DoB 18.12.1994 (at New Delhi), Height- 5'-10", Education : B.Com, Pursuing M.Com., Profession- Own Business, Income- Above Rs. 7,50,000/- per year, Gotra : Self- Choudhary, Mama- Chor Bambhar, Contact : Band Road, Sangam Vihar, NewDelhi-80, Mob.: 9818560038, 9211981214, Email : ravijain181294@gmail.com *(Feb.)*

★ **Palak Jain** S/o Sh. Ashok Kumar Jain, DoB 19.11.1991 (at 2:35 PM), Height- 5'-7", Education- B.Com, MBA, Service- Process Analyst in (TCS) Tata Consaltancy Service, Ahmedabad, Package 4.20 LPA, Gotra : Self- Baderia, Mama- Barolia, Contact : 1724, Sector 7, Avas Vikas Colony, Bodla, Agra-282007, Mob.: 9319179796, 9758010189 *(Feb.)*

★ **Akash Jain** S/o Sh. Dinesh Chand Jain DoB 03.11.1993 (at 09:05 PM, Rawatbhata), Height- 5'-9", Education B.Tech (Electrical), Occupation- Business (Bakery, Grocery Store), Gotra : Self- Khair, Mama- Kotiya, Contact : Bazar No. 2, Rawatbhata, Dist. Chittorgarh via Kota-323307, Mob.: 9928986959, 9001002456(whats app) *(March)*

★ **Mayank Jain** (Awaiting Divorce) S/o Sh. Ravindra Kumar Jain, DoB 15.08.1988 (at 6:20 AM, Agra), Height- 5'-8", Educational- Post Graduation from St. Jhons Colg. Agra, Occupation- Business, Gotra: Self- Badwasia, Mama- Nageshwaria, Contact : Flat No. 802, Paras Pearls Apartment, Khatena Road, Loha Mandi, Agra, Mob.: 9319103033, 9412257892 *(March)*

★ **Sovil Jain** (Manglik), S/o Sh. Dharam Chand Jain, DoB 01.05.1994, Height- 5'-9", Working as Junior Asstt. MACT (Raj. Govt), Gotra : Self-Bhartiya, Mama- Kotia, Contact : Vardhman Nagar, Hindaun, Mob.: 9460758378, 9460442094 *(March)*

★ **Aditya Jain** S/o Sh. Uttam Jain, DoB 12.10.90 (at 11:20 pm, Alwar), Height -5'-6", Education- B.Tech (ECE), M.Tech (Pursuing from BITS Pilani), Occupation- Senior Software Engineer-WatchGuard Technologies-Noida, Package-16.76 LPA, Gotra : Self- Kashmeria, Mama- Choudhary, Contact : Janakpuri-II, Imli Phatak, Jaipur, Mob.: 9414405532 *(March)*

★ **Aditya Jain** S/o Sh. Sheetal Kumar Jain, DoB 25.12.1990 (at 1:00 AM, Agra), Height 5'-8", Education- B.Tech & P.G. Diploma in Banking, Occupation- Assistant Manager in Axis Bank, Income- 4.48 LPA, Gotra : Self- Bugala, Mama-Salavadia, Contact : House No. 150, Bhudara Bazar, Karauli, Mob.: 9460913709, 9461455353, 9413886798, Email : adijain19@gmail.com *(March)*

★ **Shubham Jain** S/o Sh. Rajendra Kumar Jain, DoB 11.12.1992 (at 8:54 PM, Bharatpur), Height 5'-6", Education- B.Tech (EC), Amity University, Jaipur, Occupation- Consultant in Atos-Syntel Ltd., Pune, Package-16 LPA, Gotra : Self- Divarya, Mama-Amiya, Contact : B-3, Ranjeet Nagar, Bharatpur, Mob.: 8452843745, 9414376416, Email : pnb.rkjain@gmail.com *(March)*

★ **Arihant (Nikhil) Jain** S/o Sh. Rajendra Jain, DoB 06.03.1994 (at 12:39pm, Morena), Height- 5'-3", Fair Complexion, Education- M.Sc., Occupation-Business (Jwellers), Gotra : Self- Bedhre, Mama-Chandpuriya, Contact : Rajendra Kumar Arihant Kumar Jain (Sarraf), Sarrafa Bazar, Morena (M.P.), Mob.: 9074301610, 9425750554 *(March)*

★ **Shubham Jain** S/o Sh. Sunil Kumar Jain, DoB 28.10.1993 (at 11:50 pm, Agra), Height 5'-8", Education B.Tech (EEE Delhi), Occupation-Software Engineer, Income 15 LPA, Gotra : Self-Salawadiya, Mama- Chandpuriya, Contact : C-3, Kedar Nagar, Shahganj, Agra, Mob.: 9837020651, 8077417805, Email : delta_agra@rediffmail.com *(March)*

★ **Mayank Jain** S/o Sh. Subhash Chand Jain, DoB 12.10.1993 (at 11:17 pm, Navgaon, Alwar), Fair Complexion, Height- 5'-10", Education B.Tech from Electrical Engineering, Occupation- Senior Software Engineer in Ernst & Young, Bangalore, India, Gotra : Self- Sripath, Mama- Kotia, Contact : House No. 8, Gupta Colony, Jawahar Nagar, Alwar-301001, Mob.: 9828227339, 9739748225, Email : subhashfsd@gmail.com, jain.shashank3189@gmail.com *(March)*

★ **Naveen Jain** S/o Sh. Vijay Kumar Jain, DoB 28.07.1994 (at 11:00 PM, Alwar), Height- 5'-9", Education- B.E. with Honors (Civil Engg 2011-15) from M.B.M. Engg College, Jodhpur, M.Tech Gold Medalist (Transportation Engg 2016-18) from MNIT Jaipur, Occupation- Central Govt. Junior Engineer in Military Engineer Services (MOD), Bhopal, Gotra : Self- Chorbambaar, Mama- Athvarsiyaa, Contact : H.No. 5, Janakpuri-B, Daudpur, Alwar, Mob.: 8003398898, Email : nvvj93@gmail.com *(March)*

★ **Sharad Jain** S/o Sh. M.M. Jain, DoB 07.02. 1988 (at 1:10 am), Height- 5'-7", Education- MBA (Marketing), Job- Marketing Manager in Infeedo (Gurgaon), Package- 16+ LPA, Gotra : Kotia, Contact : Paharganj, New Delhi *(March)*

★ **Mohit Jain** S/o Late Sh. Naveen Kumar Jain, DoB 09.08.1990 (at 6:22 AM), Height- 5'-9", Education-MBA (Marketing & Minor HR), Occupation-Business (Wholesale Mobile & Electronics Business), Gotra : Self- Gindodabaks, Mama-Barkolia, Contact : Nadbai, Bharatpur, Mob.: 9214965126, Email : mjain2279@gmail.com *(March)*

★ **Rahul Jain** S/o Sh. Ashok Kumar Jain, DoB 26.05.1993, Height- 5'-6", Education- B.Tech. (Electronics and Communication Engineering) from I.E.T. Alwar, Occupation- Branch Operation and Service Manager (Asstt. Branch Manager), AU Small Finance Bank, Malviya Nagar, Jaipur, Salary-6 LPA, Gotra : Self- Aathvarshiya, Mama- Baroliya, Contact : 74-A, Rajendra Nagar, Niwaru Road, Jhotwara, Jaipur, Mob.: 9251269772, 8003275810, Email : rahug.jain8@gmail.com *(March)*

★ **Mohit Jain** S/o Sh. Vimal Kumar Jain, DoB 20.03.1994 (at 6:12 PM), Height- 5'-8", Education-MCA, Occupation- Branch Private Job (IT TEchnical Associate in British Telecom), Gotra : Self- Kotiya, Mama- Vijeshwari, Contact : RZ-132/2, Gali No. 4, Sadh Nagar, Palam Colony, New Delhi-110045, Mob.: 9818783172 *(March)*

★ **Prashant Kumar Jain** S/o Late Sh. Jai Prakash Jain, DoB 10.05.1987 (at 10:00 PM, Agra), Height-5'-11", Education- MA (Sociology), Working as Purchase Manager in Real Estate Company at Agra, Gotra : Self- Salavadiya, Mama- Kashmeria, Contact : 99-A, Gayatri Vihar, Baipur Road, Sikandra, Agra, Mob.: 9319835795, 8439919999 *(March)*

★ **Himanshu Jain** S/o Sh. Manoj Mohan Jain, DoB 08.06.1994 (at 11:55 AM, Agra), Height- 5'-7", Education- Chartered Accountant, Anuj Plaza, Belanganj, Agra, Contact : Sector 6-C/612, Avas Vikas Colony, Agra, Mob.: 7060978292 *(March)*

★ **Ankur Jain** (Vinod) S/o Sh. Jagdish Prasad Jain, DoB 10.11.1990 (at 06:30 AM, Firozabad), Height-5'-10", Fair Complexion, Education- M.Com., LLB (Pursuing), Dip. In Computer, Job- Accountant, LIC, Star Health Insurance and Army Hospital

(Computer IT), Salary- 32,000/- per month, Gotra : Self- Shalawadiya, Mama- Mast Chaudhary, Contact : House No. 361, Jain Nagar, Khera, Saiyyad Wali Gali, Firozabad-283203, Mob.: 9411410575 *(March)*

★ **Nitin Jain** S/o Sh. Padam Chand Jain, DoB 17.06.1995 (at 02:45 AM), Height- 5'-7", Fair Complexion, Education- B.Sc. Computer Science, Computer Diploma, PGDCA Course, Occupation- Business, Gotra : Self- Vedya, Mama- Kher, Contact : Purani ji Main Road, Morena, Mob.: 6263104419, 9669771378 *(March)*

★ **Siddharth Jain** S/o Dr. Vimal Jain, DoB 12.12.1994, Height- 5'-11", Education- B.Tech. (Mechanical), Occupation- Software Engineer, Fidelity Investment, Banglore, Package 8.5 LPA, Gotra : Self- Athvarsia, Mama- Salavadiya, Contact : VHL-114, Vivekanand Nagar, Kota, Mob.: 9079156049 *(March)*

★ **Yash Kumar Jain** S/o Sh. Rajkumar Jain, DoB 25.05.1996, Height- 5'-6", Education- M.Com., PGDCA, Occupation- Moter Parts Business, Gotra : Contact : Shiv Shankar Colony, Near Govt. PG College, Karauli-322241, Mob.: 8104424645, 7742570454 *(March)*

★ **Manish Jain** S/o Sh. Satish Chand Jain (Bayana Wale), DoB 05.02.1989 (at 9:36 PM, Bayana, Distt Bharatpur), Height- 5'-5", Education- Diploma & B.Tech in Civil from Jaipur, Gotra : Self- Rajoria, Mama- Lohkirodia, Contact : A-95, First Floor, Shri Radha Puram, NH-2 Mathura, Mob.: 7500254444 *(April)*

★ **Samay Jain** S/o Sh. Praveen Kumar Jain, DoB 25.07.1993 (at 7:30am, Ajmer), Height- 5'-7", Education- B.Tech (IIT Kharagpur), Occupation- Software Engineer in Gojack Banglore, Package- 16 LPA, Gotra : Self- Katonia, Mama- Chenia, Preference- B.Tech IIT, CA, Send BHP to jainpk2001@gmail.com, Contact : 9414709120 *(April)*

★ **Ankit Palliwal** S/o Sh. Nirmal Jain, DoB 06.11.1988, Height- 5'-10", Education- M.Sc. in Applied Geographic Information System from National University of Singapore, M.Sc in Economics from Indian Institute of Technology Kanpur, Occupation- Manager, Central Office Union Bank of India , Mumbai, Gotra : Self- Ledoriya, Mama- Kotiya, Contact : 105/119, Vijay Path, Mansarovar, Jaipur, Mob.: 8696924329, 9532033922, Email : jain.kr.nirmal@gmail.com *(April)*

★ **Anshul Jain** S/o Sh. Pushpendra Jain, DoB 14.03.1994 (at 9:12am, Agra), Height- 5'-11", Education- B.Com, Occupation- Business, Gotra : Self- Salawadia, Mother- Maimuda, Contact : Jain Readymade and Book Store, Midhakur, Agra, Contact : 9410006648, 8445463430 *(April)*

★ **Sidhant Jain** S/o Sh. Hemant Kumar Jain, DoB 15.12.1993 (at 7:59 pm, Delhi), Height- 5'-9", Education- B.Pharma (Delhi), MBA (Pharma), Occupation- Working with a reputed Pharma Co., Bombay, Gotra : Self- Barolia, Mama- Angras, Contact : Motibagh, New Delhi-21, Mob.: 9810190295, 9811428964, Email : hemantkumarjain@ymail.com *(April)*

★ **Rishi Jain** S/o Sh. P.K. Jain, DoB 22.01.1991 (at 1:03 pm), Height- 5'-7", Education- B.Com., Occupation- Xerox, Computer and All Type of Printing, Gotra : Budelwal, Contact : 60, Saraogyan, Bhimsen Mandir Road, Mainpuri-205001 (UP), Mob.: 9411062043, 7417183783, 9634425990 *(April)*

★ **Tarun Kumar Jain** S/o Sh. M.C. Jain, DoB 30.09.1992 (at 6:45 am, Alwar), Job- Govt. Job (Nursing Superintendent) Railway (NCR) Allahabad, Gotra : Self- Bhadwasiya, Mama- Chorbambar, Contact : Kala Kaua, Alwar-301001, Mob.: 9413739164, 8290253810 *(April)*

★ **Deepak Jain** S/o Sh. Jinesh Jain, DoB 01.05.1986 (at 11:30 am, Rohtak), Height- 5'-8", Education- MBA (Retail Management), Job- Working in Future Retail Limited as Warehouse Manager (SCM) at Noida, CTC Rs. 6 Lac p.a., Gotra : Self- Goel, Mama-Garg, Contact : Khasra No. 871, B Block, Gali No. 24, Phase 1, Road No. 6, Near Kattu shyam Mandir, Shyam Vihar, New Delhi-110043, Mob.: 9210724883, 9268447220 *(April)*

★ **Shreyans Jain** S/o Sh. Bharat Jain, DoB 02.03.1993, Height- 171 cm., Education- B.Tech. IIT Mumbai, Job- Working in Hong Kong in Flow Traders Pte. Ltd., Annual Income above 3.5 crore, Contact : 9414490586, Email : bjain1201@gmail.com *(April)*

★ **Siddharth Jain** S/o Sh. Surendra Kumar Jain, DoB 05.04.1993 (at 2:20 am, Aligarh), Height- 5'-9", Education- B.Tech. (Electronics & Telecomunication), Job- Consultant at capgemini India Pvt. Ltd. Bangalore, Package 11 LPA, Gotra : Self- Saketia, Mama- Kathotia, Contact : B-4, First Floor, Arihant Apartment, Khirni Gate, Police Chowki, Near Jain Mandir, Aligarh, Mob.: 9411466838, 8433217092, Email : 05siddhartjain@gmail.com *(April)*

★ **Ishan Jain** S/o Sh. Satendra Kumar Jain, DoB 24.11.1993 (at 3:00 pm, Alwar), Height- 5'-9", Education- B.Tech., MBA, Job- Purchase Manager in Groffer, Gotra : Self- Maimunda, Mama- Kasmiriya, Contact : 4/158, Kala Kua Housing Board, Alwar, Mob.: 9460600748, 9460290624 *(April)*

*****

खुशियाँ सदाबहार

हर एक की ख्वाइश होती है खुशियाँ मिले सदाबहार
सच है अगर ये तो सीखो सबसे पहले अच्छे संस्कार
बड़े बुजुर्गों का होगा अगर सम्मान तुम्हारे हाथ
माफ हो जायेंगे तुम्हारे, सात जनमों के पाप
जिंदगी में अगर कुछ करना है, तो बांटों गरीबों में खुशी
कभी आँखों में फिर होगी ना तुम्हारे नमी
सत्य अहिंसा सदा तुम्हारे दिल में हो
जो निकले होठों से तुम्हारे वो हकीकत हो
ऐसा नसीब अगर चाहते हो पाना
तो किसी प्राणी का दिल कभी ना दुखाना
चीजों को जो करोगे इकट्ठा तुम यू वो सड़ जायेंगे एक दिन
पछताओगे आगे जाके जान लो ये
आयेगी तुमको खुद को ही घिन
चोरी करने से कभी कोई अमीर नहीं होता
दान देने से कोई फकीर नहीं होता
जो कर दे दूसरे को माफ खुशी से
उसका कम कभी जमीर नहीं होता
इस 'आकांक्षा' की इच्छा है
बाँटते रहो खुशी जहाँ भी हो तुम
यही स्वर्ग मिल जायेगा जीते जी तुमको
कभी आँखें ना होंगी तुम्हारी नम।

-आकांक्षा जैन, मण्डावर (दौसा)

शोक संवेदना

श्री नेमीचंद जी जैन, निवासी मैत्री नगर, रिसाली, भिलाई का स्वर्गवास दिनांक 28.03.2021 को शाम के 7:30 बजे सुख साता पूर्वक हो गया है। वे मिलनसार, धार्मिक व सरल स्वभाव के व्यक्ति थे।

श्रीमती माया देवी जी जैन धर्मपत्नी स्व. श्री बाबूलाल जी जैन 'बजाज' (मण्डावर वाले) 68/204–ए, हल्दी घाटी मार्ग, सेक्टर 6, प्रताप नगर, जयपुर का देवलोक गमन दिनांक 13.04.2021 को हो गया है। आप धर्म प्रेमी, नम्र स्वभाव के व्यक्तित्व की धनी थीं।

अ.भा.प.जैन महासभा प्रभु से दिवंगत आत्माओं की सद्गति की प्रार्थना करते हुए अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करती है।

हार कहां हमने मानी है

जंग छिड़ी है जिसकी हमसे वह शत्रु हम पर भारी है
पर हौसलें बुलंद है हमारे, हार कहां हमने मानी है।

तू डाल- डाल हम पात- पात,
अब देंगे तुझको मात- मात।
घूमें चाहे दिन और रात -रात,
हम न आएंगे तेरे हाथ- हाथ।

हो चुकी तेरी मनमानी ,अब तुझको धूल चटानी है।
जीतने की जिद हमारी है, हार कहां हमने मानी है।

युग के पट मैं जब खोलू तो,
गर्वीला राष्ट्र हिंदुस्तान खड़ा।
विजयी पताका लेकर के जो,
स्वाभिमान से सदा आगे बढ़ा।

सदियों से चली आयी ये रीति,नीती बहुत पुरानी है।
जान की बाजी लगा सकते, हार कहां हमने मानी है।

हंसते हंसते फांसी पर झूले
वो वीर शहीद हमारे थे।
फक्र है हमको उन शेरों पर,
जिनसे दुश्मन भी थर्राते थे।

काल के भाल पर लिखी उनकी अमिट कहानी है।
हम भी उनके अनुगामी, हार कहां हमने मानी है।

जयचंदो की गद्दारी को भी,
हर संकट में हमने झेला है।
लेकिन रणबाकुरों के साहस,
से अंत विजय का मेला है।

अंत कोरोना का अब निश्चित ,उसकी अब रवानी है।
वीर शिवा,राणा के वंशज, हार कहां हमने मानी है।

-सुनीता जैन 'सुनीति'
व्याख्याता, भरतपुर
राजस्थान महिला प्रतिनिधि
केंद्रीय कार्यकारिणी
अ.भा.प.जै. महासभा

पुण्य स्मृति में भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्री फूलचन्द जैन
स्वर्गवास : जुलाई 1972

स्व. श्रीमती कस्तूरी देवी जैन
स्वर्गवास : 2 अप्रेल, 1995

हम सभी परिवारजन आपको स्मरण करते हुए श्रद्धापूर्वक नमन् करते हैं एवं अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

पुत्र-पुत्रवधु :
देवेन्द्र कुमार जैन-अनिला जैन
कुशल कुमार जैन-अनिता जैन

पौत्र-पौत्रवधु :
यश जैन
अंकुर जैन-शैली जैन
विशाल जैन-प्राची जैन
अंकित जैन-रीमा जैन

प्रपौत्री, प्रपौत्र :
रितिका जैन, अर्घ जैन

पुत्री-दामाद :
विमला जैन-हरीश चन्द जैन
विजया जैन-ज्ञानचन्द जैन
(पूर्व अर्थमंत्री, अ.भा.प. जैन महासभा)
विनिता जैन-देवेन्द्र कुमार जैन

प्रतिष्ठान :
मै. जैन मेडिकल्स, अलवर
मै. मेडिवस्ट, अलवर
मनस्वी एन्टरप्राईजेज, जयपुर

निवास स्थान :
577, स्कीम नं. 10, जैन मंदिर के पास, अलवर
ई-110, रामनगर विस्तार, सोडाला, जयपुर
मो.: 9414215566, 9829020195

KOTSONS

POWER & DISTRIBUTION
TRANSFORMERS

Export Award Winners

ACHIEVED **100%** GROWTH IN A SINGLE YEAR

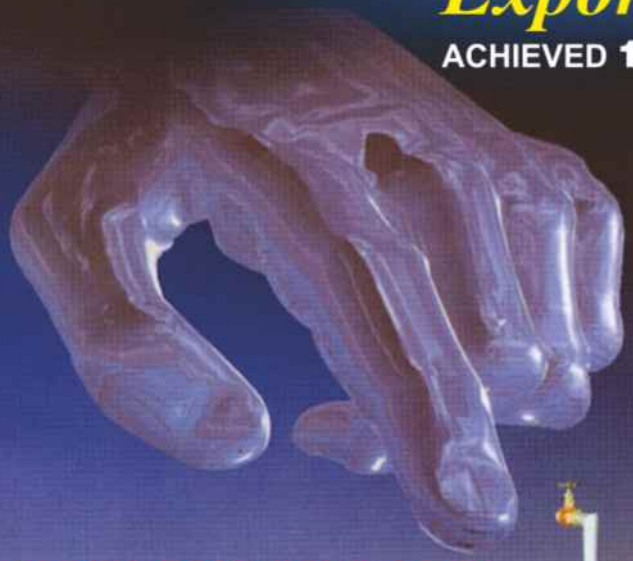

KOTSONS PVT. LTD.

(AN ISO 9001 : 2015 & ISO 14001 : 2015 CERTIFIED COMPANY)

Head Office and Unit-I
Alwar : 217A, 218 to 220 & 230A MIA,
Desula, Alwar-301030
Rajasthan, INDIA
Tel.: +91-144-2881210, 2881211
Email : kotsons@kotsons.com
Unit-II
Agra : C-21, U.P.S.I.D.C., Site-C,
Sikandra, Agra-282007,
U.P., INDIA
Tel.: +91-562-2641422, 264-1675
Email : kotsons@kotsons.com
Registered Office :
New Delhi : A-208 IInd Floor,
R.G. City Centre, Motia Khan,
Pahar Ganj, New Delhi-110055, INDIA
Tel.: +91-011-43537540
Email : kotsons@kotsons.com

DNV

Accredited by the RvA

ISO 9001 QUALITY CERTIFIED
CERTIFICATE No. QSC-3360

OHSAS 45001 : 2018

TRANSFORMING ELECTRICITY
EMPOWERING WORLD

RNI NO. RAJHIN/2012/47438 Postal Registration No. JAIPUR CITY/434/2019-21

RERA Registration No.
RAJ/P/2019/1054
www.rera.rajasthan.gov.in

Pearl
Build Trust & Loyalty

Your perfect home is now
at a landmark address.

Pearl
FORTUNE
3 BHK Boutique Apartments

16 Smart Home 3 BHK Vastu Friendly | Site : B-138, Mangal Marg, Bapu Nagar, Jaipur

Pearl
Build Trust & Loyalty

Pearl India Buildhome (P) Ltd.
"Pearl Suryavanshi", 401, A-5, Sardar Patel Marg,
C-Scheme, jaipur - 302001. INDIA, Ph.: +91 141 4014044

Dr. Raj Kumar Jain +91 9414054745
Ar. Vijay Kumar Jain +91 9829010092

2 Decades of Excellence | 3600 Villas + Plots | More than 500 Apartments | 22 'Pearl' Tower | 6 Townships

If Undelievered, please return to

श्री चन्द्रशेखर जैन *(संयोजक)*
86, श्री विहार कॉलोनी होटल क्लार्क,
आमेर के पीछे, जे.एल.एन. मार्ग,
जयपुर-302018 (राज.)

पत्रिका स्वामी - अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा (रजि.) के लिए मुद्रक/प्रकाशक श्री चन्द्रशेखर जैन, 86, मगन विला, श्री विहार कॉलोनी, होटल क्लार्क आमेर के पीछे, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर-302018 ने गणेश आर्ट प्रिंटर्स, जे-51, कृष्णा मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर से मुद्रित, सम्पादक : श्री प्रकाश चन्द जैन।